

//-- सुविवार --//

गलत तरीकों से सफल होने से कई गुना बेहतर है, सही तरीके अपनाकर असफल हो जाना ।

आज **बेबाक**

ये रणवीर सिंह तो बहुत ही बड़े वाला वीर निकला। उसके उटपटांग कपड़ों की लोगों ने खिल्ली उड़ाई तो पट्टे ने सारे कपड़े यहां तक की कच्चा भी निकाल फेंका। अब किसकी मजाल है जो उसके कपड़ों का मकाज उड़ाएगा? कहते हैं न कि नंगा नहाएगा क्या और निचोड़ेगा क्या? हिरोईने तो फिर भी कुछ तो पहनती है लेकिन इस हीरो ने निर्वस्त्र होकर बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी है। उसे पता है कि नंगे से तो खुदा भी डरता है ऐसे में कोई उसका क्या बिगाड़ लेगा? बॉलीवुड के इन तमाम नंगे लुच्छों का हुक्का पानी बंद होना चाहिए।

सूर्योदय
उदय : 5:43 पूर्वाह्न:
अस्त : 7:11 बजे
जनसंख्या
विश्व : 7,963,196,606
भारत : 1,408,568,362
बाजार
सेंसेक्स : 55268.49
निफ्टी : 16483.80
गोल्ड : 50,780 प्रति 10 ग्राम
चांदी : 54,500 प्रति किग्रा
अण्डा दर : 3.86 प्रति नग

आज का दिवस

एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि :- एपीजे अब्दुल कलाम का निधन 27 जुलाई 2015 को मेघालय के शिलांग में हुआ था। उनकी पुण्यतिथि पर हम उनकी निंदगी से जुड़ी कुछ खास बातें जानते हैं। एपीजे अब्दुल कलाम ने 1998 के पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षणों में अहम भूमिका निभाई थी। भारत के 11वें राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को मिसाइल मैगन भी कहा जाता था, उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान ‘भारत रत्न’ से नवाजा गया था। ‘मिसाइल मैगन ऑफ इंडिया’ ने 2002 से 2007 के बीच भारत के 11वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। एपीजे अब्दुल कलाम एक महान वैज्ञानिक और विचारक थे। इनका पूरा नाम अबुल फकिर जैनुलआदीन अब्दुल कलाम था। एपीजे अब्दुल कलाम ने 1998 के पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षणों में अहम भूमिका निभाई थी। वैज्ञानिकों की पूरी टीम को उन्होंने लीड किया था। इसके अलावा भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम और मिसाइल विकास कार्यक्रम से भी वह जुड़े रहे थे।

ममता के एक और विधायक को ईडी ने किया तलब

■ आज पूछताछ के लिए बुलाया, शिक्षक भर्ती घोटाले का मामला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले के आरोपी पार्थ चटर्जी मंगलवार सुबह कोलकाता लौट आए। सोमवार को उन्हें एम्स भुवनेश्वर ले जाया गया था, जहां उनकी गहन जांच हुई। पार्थ करीब छह बजे कोलकाला पहुंचे। यहां से ईडी अधिकारी उन्हें सीधे सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित ईडी

कार्यालय ले गए। गौरतलब है कि हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें सोमवार को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए भुवनेश्वर स्थित एम्स ले जाया गया था। इस बीच पश्चिम बंगाल के मंत्री और राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने टीएमसी विधायक माणिक भट्टाचार्य को तलब किया है। उन्हें आज ईडी कोलकाता कार्यालय में पेश होने को कहा गया है।

काली डायरी खोलेगी राज पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर से ईडी अधिकारियों को एक काली डायरी मिली है। माना जा रहा है कि इस डायरी में शिक्षक घोटाला के राज छपन है। दावा किया जा रहा है कि इस डायरी में उन लोगों के नाम हैं, जिन्होंने शिक्षक नियुक्ति के लिए कथित तौर पर छापे घूस के तौर पर लिए थे। ईडी सूत्रों का मानना है कि इस डायरी में पार्थ चटर्जी के अलावा तुषामूल के कई शीर्ष नेताओं के नाम हैं, जो इस भ्रष्टाचार में कथित तौर पर शामिल रहे हैं। बताया जा रहा है कि डायरी में जिन लोगों के नाम हैं, उनसे पूछताछ की तैयारी की जा रही है।



सियासत...

जिला पंचायत सदस्यों,जनपद सदस्यों की पूछ परख बढ़ी?

पंचायत चुनावों में सेंध मारी का दौर जारी ?

भारत दर्शन के साथ तीर्थ यात्रा से अपने पक्ष करने की कोशिश जारी !

चुनाव जितने वाले जिला-जनपद सदस्यों की लगी लॉटरी

डॉ शिशिर उपाध्याय

भोपाल। प्रदेश में जिला और जनपद पंचायत चुनाव जीतने वाले सदस्यों को लॉटरी सी लग गई है। इन सदस्यों को अपने-अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा और कांग्रेस ने इन्हें तीर्थ दर्शन के नाम पर भारत भ्रमण



कराना शुरू कर दिया है, ताकि जिला पंचायत व जनपद अध्यक्ष उनकी पसंद का बनाया जा सके। प्रदेशभर से मिली जानकारी के अनुसार तकरीबन एक सैकड़ जिला-जनपद सदस्य प्रदेश के बाहर चले गए हैं। भले ही पंचायत चुनाव गैर दलीय आधार पर हुए हों पर

निर्वाचित सदस्यों को साधकर रखने के लिए भाजपा और कांग्रेस के नेता पूरा जोर लगा रहे हैं। प्रदेश के अधिकांश जिलों के विजयी प्रत्याशियों को पार्टियों ने जिला और जनपद पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव की तिथि आने तक के लिए बाहर भेज दिया है। कोई सदस्य शिर्डी, मथुरा-वृंदावन की धार्मिक यात्रा कर रहा है तो कोई गोवा में समुद्र किनारे लहरें गिन रहा है। प्रदेश की 52 जिला पंचायतों और 313 जनपद पंचायतों के अध्यक्ष का चुनाव इस सप्ताह होना है। भाजपा और कांग्रेस को अपने समर्थकों के पाला बदलने का डर है।

भाजपा को सता रहा सेंधमारी का डर

भाजपा की कोशिश है की प्रदेश में अधिक से अधिक उसके समर्थित जिला पंचायत व जनपद अध्यक्ष बने। लेकिन उसे सेंधमारी का डर सता रहा है। खंडवा जिला पंचायत अध्यक्ष का पद अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है। जबकि 16 सदस्यों में से भाजपा के 8 सदस्य जीते हैं, लेकिन एक भी इस जाति से नहीं है। लिहाजा भाजपा से बागी निर्दलीय कंचन तन्वे को अध्यक्ष बनाना तय हुआ है। इसके अलावा दूसरा बागी भी इसी जाति से है और उसने जीत **शेष पृष्ठ 7 पर**



मानव दुर्व्यापार रोकने चलाएँ प्रभावी अभियान: सीएम

प्रदेश में अगस्त माह में मानव दुर्व्यापार निषेध जागरूकता सप्ताह मनाया जाएगा

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मानव दुर्व्यापार को रोकने के लिए सरकारी अमले के साथ सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता आवश्यक है। अनेक आपराधिक तत्व इस संगठित अपराध में लिस रहते हैं। ऐसे तत्वों की धरपकड़ के साथ नागरिकों को भी इस दिशा में सजग और सावधान बनाने के लिए प्रभावी तरीके से अभियान संचालित किया जाए। बैठियों को छेड़छाड़ और अन्य गंभीर घटनाओं से



बचा कर उनकी समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करने, बच्चों को नशे से बचाने और बंधक श्रमिक व्यापार और कुप्रथा रोकने के लिए अभियान पूरी ताकत से चलाया जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास कार्यालय पर में गृह सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में चर्चा कर रहे थे। बैठक मानव दुर्व्यापार निषेध जागरूकता सप्ताह के संबंध में विचार-विमर्श के लिए बुलाई गई थी। बैठक के निर्णय अनुसार प्रदेश

आगामी माह में व्यापक और वृहद स्तर पर मानव दुर्व्यापार (ह्यूमन ट्रेफिकिंग) निषेध संबंधी जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान की लिथियों का निर्धारण शीघ्र किया जाएगा। गृह, जेल एवं संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस, अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वैच्छिक संगठनों और जन-प्रतिनिधियों का सहयोग लेने से कोई भी अभियान सफल हो जाता है। इस नाते मानव **शेष पृष्ठ 7 पर**

संसद में हंगामे पर एक्शन, राज्यसभा के 19 सांसद एक सप्ताह के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली। मानसून सत्र में महंगाई, बेरोजगारी, जीएसटी और जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर विपक्ष का हंगामा जारी है। हंगामे के चलते राज्यसभा के 19 सांसदों को सदन से एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। इससे पहले सोमवार को कांग्रेस के चार सांसदों को सस्पेंड कर दिया गया था। बताया जा रहा है कि ये राज्यसभा सांसद सदन के वेल में प्रवेश करने और नारेबाजी करने के लिए एक हफ्ते के लिए निलंबित किए गए हैं। संसद में विपक्ष लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है। सरकार का आरोप है कि विपक्ष संसद की कार्यवाही में बाधा डाल रहा है। जबकि विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार इन मुद्दों पर चर्चा से भाग रही है।



ये सांसद हुए निलंबित

राज्यसभा में हंगामे को लेकर विपक्षी सांसदों के खिलाफकार्रवाई की गई। उपसभापति ने 19 सांसदों को निलंबित कर दिया। इन सांसदों में तुषामूल सांसद सुखिता देव, डॉ शतनु सेन और डीला सेन, शांत छेत्री, मोहम्मद अब्दुल्ला, एन रसूल, एन यादव और वीवी शिवादासन, अबीर रजन विश्वास, नदीमूल हक समेत अन्य शामिल हैं।

टेनी के बेटे आशीष की जमानत अर्जी उच्च न्यायालय से खारिज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा उर्फ मोनू की जमानत याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने मंगलवार को खारिज कर दी। मोनू, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा 'टेनी' का बेटा है।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की पीठ ने मोनू की जमानत अर्जी खारिज करने का आदेश पारित करते हुए कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों को देखते हुए आशीष को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता है। गौरतलब है कि को अदालत ने 15 जुलाई को ही इस मामले में अपना आदेश सुरक्षित कर लिया था।



अदालत ने कहा कि मामले के तथ्य एवं परिस्थितियों के मद्देनजर याचिकाकर्ता की जमानत मंजूर करना न्याय के हित में नहीं है। अदालत ने मामले के मुख्य आरोपी को जमानत पर रिहा किये जाने से सबूतों के साथ छेड़छाड़ किये जाने और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका जताते हुए उसकी याचिका को खारिज कर दिया।

कोविंद ने संविधान के आदर्शों को बरकरार रखा : मोदी

सर्वोच्च पद पर होने के बाद भी दृढ़ता व गर्व के साथ जमीन से जुड़े रहे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को लिखे पत्र में उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने भारत के राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सिद्धांतों, ईमानदारी, कामकाज, संवेदनशीलता और सेवा के उच्चतम मानकों को स्थापित किया। प्रधानमंत्री ने श्री कोविंद को रविवार को लिखे अपने पत्र में कहा, आपने भारत के संविधान के आदर्शों तथा



उसके लोकतंत्र के मर्म को सही फैसलों, उत्कृष्ट गरिमा और असाधारण शैलीनता के जरिए बरकरार रखा और हमेशा गणतंत्र के सर्वोत्तम हितों के लिए काम किया। मोदी ने कहा, महामारी के

अभूतपूर्व तनाव और अशांति और संघर्ष में फंसी दुनिया के समय में देश के प्रथम नागरिक के रूप में, शांति, एकता और आश्वासन के स्रोत थे, और विदेशों में भारत के मूल्यां और हितों के परेक अधिवक्ता थे।उन्होंने कहा कि वह हमेशा सबसे कमजोर नागरिक के कल्याण के लिए अपनी दया और चिंता के प्रति अटल रहे। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचने पर भी आप दृढ़ता और

गर्व के साथ जमीन से और लोगों के साथ जुड़े रहे, उनके साथ खुशी, उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील, उनकी अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील, और आवश्यक परिवर्तन को लेकर पूरी तरह से जागरूक रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री कोविंद ने राष्ट्रपति पद के दौरान अपने कई कार्यों, हस्तक्षेपों और भाषणों के जरिए भारत का प्रतिनिधित्व किया और हमारे देश तथा दुनिया के सभी कोनों में

शिवसेना लहराती तलवार है, म्यान में रखोगे तो जंग लग जाएगी : उद्धव

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में जो कुछ भी हुआ, वह पूरे देश ने देखा। यहां का सियासी संकट भले ही कुछ समय के लिए शांत हो गया हो, लेकिन मामला अभी भी कोर्ट में है। शिंदे गुट लगातार शिवसेना पर कब्जा जमाने की कोशिश कर रहा है, तो उद्धव ठाकरे अपने बचाव में लगे हुए हैं। इस बीच महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के मुखपत्र सामना को साक्षात्कार दिया है, जिसमें उन्होंने एकनाथ शिंदे की बगावत व सियासी घटनाक्रम पर खुल कर



खुद के पिता की फोटो पर वोट मांगे : उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे पर निशाना साधते हुए कहा, जिन्होंने विश्वासघात किया है, पार्टी तोड़ी है, वे खुद के पिता का फोटो लगाकर वोट मांगें। शिवसेना के बाप का फोटो लगाकर मोक्ष न मांगें। उन्होंने बागी नेताओं की तुलना पैड़ के सड़े हुए पत्तों से की। कष्ट, चुनाव होने दीजिए ये पत्ते जमीन पर आ जाएंगे और पता पल जाएगा कि लोग उनका समर्थन करते हैं या नहीं। आगे कष्ट, इन सड़े हुए पत्तों को बस दिया जाना चाहिए। वह पैड़ के लिए अच्छे हैं क्योंकि इसमें नष्ट पत्ते होते हैं।

बात की है। उद्धव ठाकरे ने कहा, शिवसेना और संघर्ष का, एक-दूसरे के साथ गहरा नाता है। शिवसेना, एक लहराती तलवार है। इसे यदि म्यान में रखा जाए, **शेष पृष्ठ 7 पर**

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में कमी न रहे : सीएम चौहान

मुख्यमंत्री ने की कायाकल्प अवाई और मिशन सेहत कार्यक्रम की समीक्षा

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार एवं दवाओं की उपलब्धता में कोई कमी नहीं छोड़ी जाए। अस्पतालों में जनता को बेहतर सुविधाएँ मिलें और अस्पताल पेशेंट फेंडली हों। व्यवस्थाओं में आमूलचूल परिवर्तन लाने की कोशिश की जाए। अस्पतालों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। शासकीय चिकित्सालयों का स्तर

निजी अस्पतालों से बेहतर बनाने के भी प्रयास किए जाएँ।बैठक में 8 अगस्त को इस संबंध में कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार: प्रसार कराया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज निवास कार्यालय में कायाकल्प अवाई एवं मिशन सेहत कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैस, भरपूर कोशिश की जाए।

अधिकारी उपस्थित थे।

■ न्यूज गैलरी

विधायक प्रतिनिधि व एडरमैन का जन्मदिवस धूमधाम से मना



देवकर/नवप्रदेश। नगर पंचायत देवकर के विधायक प्रतिनिधि विनोद कुंजाम एवं एडरमैन रौशन अग्रवाल के जन्मदिवस के अवसर पर विगत सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय एवं बस स्टैंड स्थित विधायक कार्यालय में बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ संयुक्त जन्मदिवस मनाया जिसमें विधायक कार्यालय में जन्मदिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सन्तोष वर्मा उपस्थित रहे। साथ ही नगर के सैकड़ों की तादाद में कांग्रेस के वरिष्ठ व युवा कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे शिवभक्त

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। माँ दंतेश्वरी की पावन धार्मिक नगरी दंतेवाड़ा के वार्ड 03 कतिथाररास में सावन के पवित्र महीने में जल्द ही शिव शक्ति मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा मोहल्लेवासियों और नगर के शिवभक्तों के सहयोग से



आगामी 31 जुलाई को होने वाली है जिसके लिये शिवशक्ति मंदिर समिती कटियारारास भव्य तैयारियों में जुटा हुआ है। दरअसल वार्ड क्रमांक 03 के कृष्ण किराना दुकान के सामने वाली गली में नगर पालिका अध्यक्ष पायल गुप्ता, वार्ड पार्षद ए राजा और मोहल्ले के शिवभक्तों के सहयोग से शिव मंदिर बनवाया गया है। इसी मंदिर में शिवलिंग,नंदी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 29 जुलाई से 31 जुलाई तक विधी विधान और मंत्रोच्चार के साथ किया जाना है। जिसमें कलश स्थापना, भंडारा पूर्णहुति भी की जाएगी। कार्यक्रम में 29 जुलाई को प्रातः कलश यात्रा वही संंध्याकाल गणपति पूजन के पश्चात 30 जुलाई को देवता आह्वान, नवग्रह पूजा,जलाव दिवासम होगा वही तीसरे दिन स्थापित देवता की अर्चना, वास्तु पूजा, यंत्र प्रतिष्ठा, शिवलिंग प्रतिष्ठा, कुंभाभिषेक, शिव पार्वती विवाह पूर्णाहुति, आरती एवं भव्य भंडारा का आयोजन किया जायेगा। समिति द्वारा दंतेवाड़ा जिले के समस्त नगरवासियों से आह्वान किया गया है कि शिवशक्ति मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम उपस्थित होकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें।

नक्सलियों ने फेंके पर्चे, शहीदी सप्ताह का किया ऐलान



दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले के बारसूर से नारायणपुर मार्ग में एक बार फिर से नक्सलियों ने सक्रियता दिखाते हुए बैनर पोस्टर फेंककर शहीदी सप्ताह मनाने की बात कही है। दरअसल फेंके गये बैनर पोस्टर में नक्सलियों ने 28 जुलाई से 3 अगस्त तक शहीद स्मृति दिवस मनाने की बात लिखते हुए नक्सली लीडर कारमेड चारु मजुमदार और कन्नई चटर्जी को याद करने की बात लिखी है। हालांकि इन पोस्टर बैनरों की सूचना जैसे मालेवाही थाने को मिली मौके पर जवान पहुंचकर बैनर पोस्टर को जप्त कर मार्ग को पुनः बहाल कर दिया। बता दे आपको की बारसूर से नारायणपुर मार्ग बेहद ही संवेदनशील मार्ग है जहाँ नक्सली आये दिन वारदात को अंजाम देकर विकास विरोधी घटनाओं को अंजाम भी देते रहते हैं। ऐसे में इन बैनर पोस्टर से नक्सलियों ने एक बार फिर से इलाके दहशत फैलाने की कोशिश की है।

मंडी बोर्ड के अभियंताओं ने मंडी और प्रस्तावित नई मंडी क्षेत्र का किया दौरा

भाटापारा/नवप्रदेश। मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा के द्वारा शपथ ग्रहण समारोह में कृषि मंत्री से की गई मांग के फलस्वरूप कृषि मंत्री के निर्देश पर मंडी बोर्ड के अधिकारियों की टीम ने मंडी प्रांगण पर शेड विस्तार करने और प्रस्तावित नई मंडी क्षेत्र का स्थानीय अधिकारियों की टीम के साथ निरीक्षण किया।

सोमवार को मण्डी समिति की बैठक पूर्व निर्धारित समय में सम्पन्न होने के पश्चात कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे के द्वारा भारसाधक समिति के शपथ ग्रहण के दौरान किये गये घोषणा के फलस्वरूप नये मण्डी प्रांगण एवं वर्तमान मण्डी प्रांगण में चारो ओर कन्वर्ट शेड के क्रियान्वयन की दिशा में मण्डी बोर्ड के अधिकारी कार्यपालन अभियंता पटेल, सहायक अभियंता जायसवाल ,उपअभियंता चौधरी ने मंडी अध्यक्ष सुशील शर्मा ,मंडी सचिव



शत्रुघन लाल वर्मा

के साथ प्रांगण के चारो ओर निरीक्षण किया गया जिसमें उन्हारी शेड के सामने 110×15 मीटर का एक कन्वर्ट शेड , तीन नंबर एवं चार नंबर शेड के बीच कन्वर्ट शेड , सुलभ शौचालय के सामने का कन्वर्टशेड ,महादेव मंदिर के अंदर के परिसर में स्लेब एवं गार्डन निर्माण , पुराना कार्यालय भवन व उसक पास लगे म्यूत्रालय का डिस्ट्रेमेटल कार्य ,बाउन्डी एरिया में भवन निर्माण कराना प्रस्तावित किया गया ।

इस दौरान व्यापारी सदस्य नरेन्द्र भूषाणीया ,मंडी सदस्य अधनी बारले, डॉ के के नायक,राईस मिल के जिलाध्यक्ष देवेन्द्र भुगु, राईसमिलर्स एसो.के अध्यक्ष गोपाल

अग्रवाल ,अभिकर्ता सघ के अध्यक्ष राजेशतिवारी, व्यापारी गुरुमुख , सत्यनारायण पटेल, सचिन्द्र शर्मा, पुनीत मानिकपुरी, मंडी सहायक प्रांगण प्रभारी सत्यनारायण यादव आदि उपस्थित थे। इसके तदुपरांत नया मंडी प्रांगण हेतु सूमाभाउ व देवरी भाउ गये जहां पर नया मंडी प्रांगण हेतु स्थल निरीक्षण किया गया इस निरीक्षण में अनुविभागीय अधिकारी नरेन्द्र बंजारे , ज्योति मसीहरे तहसीलदार सहित राजस्व कर्मी भी उपस्थित थे।

जलापूर्ति में कटौती की समस्या आज की नहीं, इसके विरोध में किसी को आवाज उठाने की फुर्सत नहीं

■ **टैक्स के एवज में पूरे समय नहीं होती जलापूर्ति, निगम बरसों से करती आ रही है कांटामारी**

■ **वर्षा ऋतु में जहां सरोवर लबालब और नदियां उफान पर है ऐसे में भीषण गर्मी जैसा जलसंकट**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। हिन्दू युवा मंच जिला इकाई ने नागरिकों को टैक्स के एवज पर्याप्त मात्रा में जलापूर्ति करने की मांग को लेकर नगर की प्रथम व्यक्ति और महापौर हेमा देशमुख और निगम आयुक्त डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी से मांग की है। हिन्दू युवा मंच ने उक्त मामले में अपनी गहरी नाराजगी जताते हुए

निगम प्रशासन से सवाल किया है किए जब निगम टैक्स पूरा पूरा लेती है तो जलापूर्ति में कटौती क्यों?

टैक्स जितना, पानी उतना की मांग को दोहराते हुए हिन्दू युवा मंच के जिलाध्यक्ष किशोर माहेश्वरी और शहर अध्यक्ष सुरेश लोहमार ने निगम की जलापूर्ति सिस्टम को गड़बड़ाहा बताते हुए आरोप लगाया है कि, निगम जितना टैक्स नागरिकों से लेती है उतनी मात्रा में जलापूर्ति नहीं करती। निगम द्वारा नगरवासियों से प्रतिवर्ष जलकर, समय पर लिया जाता है। इसके अलावा नागरिकों से, संपत्ति कर और समेकित कर भी प्रतिवर्ष लेती आई है। नियमों की अगर बात करें तो, वस्तुस्थिति को देखते हुएए अन्य करों में निगम नागरिकों को एकबारगी छूट भी दे सकती है

लेकिन, जलकर में छूट का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे में जब निगम जलकर के पूरे-पूरे पैसे लेती है तो फिर बड़ा सवाल यह उठता है कि, जलापूर्ति में कटौती क्यों? निगम ने वॉल खेलने और बंद करने वाले अपने कर्मचारियों को पूरी तरह से प्रशिक्षित कर रखा है कि, जलापूर्ति में कांटामारी कैसे करनी है। कब वॉल खेलना है और कितना पहले बंद करना है। यह स्थिति केवल आज की नहीं है एक दशक से यह दंश आम नागरिकों को झेलना पड़ रहा है, लेकिन इसके विरोध में आज तक किसी ने आवाज तक नहीं उठाई। निगम से प्रदाय होने वाले पानी का उपयोग सिर्फ पीने के लिए ही नहीं, वरन कपड़े, बर्तन धोने सहित साफ सफाई जैसे घरेलू कार्यों में भी होता है। अब इन घरेलू कार्यों के लिए भी निगम का

पानी कम पड़ने लगा है, नल किसी दिन सिर्फ आधे घंटे, किस दिन 40 मिन्ट तो किसी- किसी दिन सिर्फ 20-25 मिन्ट के लिए ही खुलता है, वहीं समय से पहले ही जलापूर्ति रोक दी जाती है तो किसी दिन नल समय पर ही नहीं खुलता। इतने कम समय की जलापूर्ति में घर के बहुत जरूरी कार्यों का निपटान होना असंभव जैसा है। समय से पहले ही जलापूर्ति रोक देने और कांटामारी की विसंगति सालों से चली रही है और अब तो यह मिलसिलता आम बात हो गई है। ऐसा एक भी दिन नहीं होगा जब निगम ने ईमानदारी से पूरे-पूरे एक घंटे जल की आपूर्ति कराई हो। पानी पूरे समय न मिल पाने के कारण लोग दुष्टुष्ट पंप लगाने विवश हैं। अगर निगम जलापूर्ति पूरे-पूरे समय करे तो दुष्टुष्ट पंप लगाने की नौबत ही नहीं आती। निगम

भले ही पानी पूरे-पूरे समय न देता हो, लेकिन फिर भी उसे टैक्स पूरा पूरा चाहिए। एक समय था, जब निगम के पानी की उपयोगिता इतनी नहीं थी, लोग इस पानी का उपयोग सिर्फ पीने के लिए ही किया करते थे, लेकिन शहरीकरण के बढ़ते प्रभाव और सघन बस्तियों के चलते लगातार जलस्तर घटने लगा है। अगर जलस्तर नहीं घटता और बोर या ट्यूबवेल से पानी की उपलब्धता बनी रहती तो नागरिकों को आज भी निगम के नल कनेक्शन पर आश्रित नहीं होना पड़ता। भीषण गर्मी के चलते गर्मी के दिनों में होने वाला जलसंकट एकबार समझ में भी आता है। किन्तु जहां भीषण वर्षा के कारण चारों ओर सरोवर लबालब और नदी नाले उफ़न पर, और जल पर्याप्त मात्रा में है। तब निगम जलापूर्ति करने में सुस्ती क्यों

प्रदेश सरकार व विधायक के कार्यों से प्रभावित होकर युवा कर रहे हैं कांग्रेस में प्रवेश : सुजीत

■ **हर समस्या का समाधान के लिए आगे रहते हैं विधायक चंद्रदेव**

भटगांव/नवप्रदेश। बरसात का दिन है और बरसात के इस मौसम में संसदीय सचिव एवं विधायक चंद्रदेव राय की दरियादिली सामने आई थी जिसमें विधायक के कार्यालय में भीगते हुए आम जनता पहुंचे थे तब विधायक ने उन लोगों को छाते और रेनकोट तत्काल मुहैया कराया।और सैकड़ों लोगों को भी छाते और रेनकोट वितरण किया गया था। कल भी विधायक ने सैकड़ो लोगो को छाते और रेनकोट वितरित किया।कांग्रेस के युवा नेता सुजीत जायसवाल ने बताया कि- विधायक की लगातार क्षेत्र में आमजनों से जुड़े रहते है। जब कोरोना जैसी भयानक महावारी में पूरा देश जूझ रहा था तब बिलाईगढ़ विधायक अपनी विधानसभा क्षेत्र में हर गांव पहुंच कर सभी को सच्ची उपलब्ध करा रहा था द्य कोरोना से पीड़ित मरीजों को ऑक्सीजन की व्यवस्था करा रहा था गांव गांव जाकर



कटेनमेंट जोन में सभी का हाल जानने पहुंचे थे। बाहर में पंसे प्रवासी मजदूरों को घर तक लाने में मदद की।

जन चौपाल में सुनी लोगों की समस्याएं

सुजीत जायसवाल ने आगे बताया कि पूरे बिलाईगढ़ विधानसभा में तपती धूप में गांव गांव जाकर जन चौपाल के माध्यम से आमजनों की समस्या सुनी एवं कईयों की राशन कार्ड विधवा पेंशन जैसे अनेकों समस्याओं को तत्काल उन्होंने

निराकरण किया।और क्षेत्र में किसी के घर में अगर षष्ठी कार्यक्रम हो या शादी हो या कोई कार्यक्रम की बर्थडे हो अपना समय निकल कर हमेशा सभी के लिए तात्पर्य रहते हैं। जिसके कारण क्षेत्र की जनता भी अपनी समस्याओं को लेकर विधायक के पास पहुंच जाते है। विधायक राय हमेशा आमजनों और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने वाले नेता है, इसीलिए आज युवा भी इनके कार्य से प्रभावित होकर कांग्रेस में प्रवेश कर रहे हैं।

पुलिस टीम को खाकी वर्दी में देख छात्राओं ने जताई पुलिस अफसर बनने की इच्छा



कवर्धा/नवप्रदेश। कबीरधाम जिले की महिला एवं बालक बालिकाओं को उनके अधिकारों की विस्तारपूर्वक जानकारी देकर जागरूक करने हेतु अभिव्यक्ति कार्यक्रम के तहत 25 जुलाई को कबीरधाम पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमैद सिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा रावटे एवं महिला सेल टीम के द्वारा शहर के रामनगर में स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय पहुंच कर विद्यालय में उपस्थित छात्राओं को उनके अधिकारों के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर जागरूक किया गया। एससी मनीषा रावटे के द्वारा छात्राओं को अपना परिचय देते हुए जानकारी दिया गया कि इंटरनेट, मोबाइल एवं विभिन्न ऑनलाइन ऐप का यदि इस्तेमाल करते हैं, तो सबसे पहले अपने तथा अपने परिवार जनों की आपसी गोपनीयता को किसी अन्य को साझा ना करें, अनजान व्यक्ति से दोस्ती कदापि ना करें, ना ही उनके द्वारा दिए गए प्रलोभन में आना चाहिए कहकर गुट दृष्ट बैड टच के विषय में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर महिला एवं बालक बालिकाओं से संबंधित अधिकारों की जानकारी दी गई। आवासीय

विद्यालय की छात्राओं के द्वारा पुलिस टीम के यूनिफॉर्म को देखकर बड़े होकर पुलिस बनने की इच्छा जाहिर की जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के द्वारा बच्चों को कहा गया कि जिस प्रकार आप सबको पुलिस की खाकी वर्दी अपनी और आकर्षित करती है, ठीक उसी प्रकार आज जो बहुत से बच्चे शिक्षा से किसी ना किसी कारण से वंचित हैं, उन्हें भी आपको अपना स्कूल का यूनिफॉर्म एवं स्कूल के बारे में तथा शिक्षा के विषय में जानकारी देकर शिक्षा के प्रति जागरूक करना होगा तभी हमारा गाँव शहर जिला व राज्य लगातार आगे बढ़ सकता है कहा गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे के कुशल नेतृत्व में महिला सेल प्रभारी विजया कैवल्य, आर.रोमन चंद्रवंशी, महिला आरक्षक रेवती साहू, चालक आरक्षक आशीष चंद्रवंशी, तथा कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय विकासखंड कवर्धा जिला कबीरधाम छत्तीसगढ़ से शिक्षिका संगीता सिंह अधिष्ठिका, कांचीन मिश्रा, मालती गर्ग एवं अधिक संध्या से स्कूली छात्राएं उपस्थित थे।

सोम को ओम : शिवालयों में उमड़ी शिव भक्तों की भीड़

नवागढ़/नवप्रदेश। नवागढ़ नगर तथा आसपास के गांवों में भी शिवालयों में सावन महीने के दूसरे सोमवार को सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा । नवागढ़, मारो, नांदघाट, सम्बलपुर, मुरता, आँधियारखोर, दाढ़ी, छिरहा, नगपुरा, सहित अंचल के अन्य प्रमुख मंदिरों में शिव भक्तों की भीड़ उमड़ रही थी। सावन के दूसरे सोमवार पर शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से शिवालय गुंज उठे।

नवागढ़ के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बूढ़ेश्वर महादेव में श्रावण माह के दूसरे सोमवार को सैकड़ों की तादाद में

श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान शिवजी का पूजन अभिषेक किया। सुबह 5 बजे से ही जहां श्रद्धालुओं का तांता लग गया था जो लगातार ही अनवरत जारी रहा। श्रद्धालुओं ने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का दूध, बेलपत्र, फूल व फल से जलाभिषेक किया। सुबह से ही मंदिरों में जलभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लग गई थी।

पंडित श्रीकांत शर्मा ने बताया कि शिव जी को बेलपत्र चढ़ाने का बहुत ही महत्व है यही कारण है कि भक्तों द्वारा बेलपत्र चढ़ाकर पूजन अर्चन



किया जाता है। सावन माह के सोमवार को भगवान शिव के अभिषेक करने से विशेष फल मिलता है। जलाभिषेक से सुवृष्टि, कुशोदक से

दुखों का नाश, ग्रन्थो के रस से धन लाभ, शहद से अखंड पति सुख, कच्चे दूध से पुत्र सुख, शंकर के शबंत से वैदुष्य, सरसों के तेल से शत्रु का नाश और घी के अभिषेक से सर्व कामना पूर्ण होती है।भगवान शिव की पूजा का सर्वश्रेष्ठ काल-प्रदोष समय माना गया है।सावन में त्रयोदशी, सोमवार और शिव चौदस प्रमुख हैं। भगवान शंकर को भष्म, लाल चंदन, रुद्राक्ष, आक के फूल, धतूरे का फल, बेलपत्र और भांग विशेष प्रिय हैं।

एसपी से मिले सायबर सेल की टीम



राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर द्वारा जिले के सायबर सेल टीम से अपने कार्यालय में मुलाकात कर थाना लालबाग, अंबागढ़ चौकी एवं ओपी मोहारा थाना डोंगरगढ़ में हुए अंधेकल और सिंधी कॉलोनी में लूट एवं हत्या का प्रयास के मामले की गुत्थी जल्द से जल्द सुलझाने एवं सभी थानों का सहयोग कर टीम के रूप में कार्य कर आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए बधाई दी। साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक ठाकुर द्वारा सायबर सेल के अधिकारी एवं कर्मचारियों से उनका हाल जाना एवं तकनीकी उपकरणों की आवश्यकता के संका में जानकारी ली और सायबर सेल सभी जवानों को इसी प्रकार और अच्छे से काम करने हेतु हौसला अफजाई किया गया।

दुष्कर्मों युवक पुलिस के हत्थे चढ़ा

राजनांदगांव/नवप्रदेश। थाना मोहला में प्राथी ने आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 26 अप्रैल 2022 को इसकी नाबालिग लड़की 24 अप्रैल 2022 को बिना बताये घर से कहीं चली गई है, जिसका आसपास एवं रिस्तेदारों में पता तलाश ठाकुर, ओएसडी अक्षय कुमार मोहला-मानपुर अं. चौकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानपुर पुपलेश कुमार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अर्जुन कुरें के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक आर्शिवाद राहटगांवकर के कुशल नेतृत्व में टीम गठित कर अपहृता को पतासाजी हेतु लगाया गया था। पता तलाश के दौरान मुखबरी से सूचना मिली कि आरोपी पीड़िता को लेकर ग्राम मासुल में देखा गया है और उसे छोड़कर भागने की फ़िराक में है। मुखवीर के बताए मुताबिक घेराबंदी

कर आरोपी को पकड़ा गया व पीड़िता को उससे बरामद किया गया। पृछताछ पर आरोपी ने अपराध कबूल किया। आरोपी धर्मेन्द्र कुमार मातलम पिता घासीराम आतलम उम्र 23 साल साकिन मासुल थाना मोहला द्वारा पीड़िता को बहला-फुसलाकर, शादी का प्रलोभन देकर भागकर जबरदस्ती में लिया गया। बालिका संबंधी अपराध को गंभीरता से देखते हुए पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर, ओएसडी अक्षय कुमार मोहला-मानपुर अं. चौकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानपुर पुपलेश कुमार, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अर्जुन कुरें के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक आर्शिवाद राहटगांवकर के कुशल नेतृत्व में टीम गठित कर अपहृता को पतासाजी हेतु लगाया गया था। पता तलाश के दौरान मुखबरी से सूचना मिली कि आरोपी पीड़िता को लेकर ग्राम मासुल में देखा गया है और उसे छोड़कर भागने की फ़िराक में है। मुखवीर के बताए मुताबिक घेराबंदी

नारी निकेतन अधीक्षिका की प्रताड़ना व वाई आया के अत्याचार से अंतावासिनों का जीना मुहाल

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा जिले में अनाथ, अविवाहित,विधवा प्रताड़ित और बेसहारा महिलाओं के लिए चलनी वाली नारी निकेतन संस्था का प्रभार संभाल रही अधीक्षिका कल्पना रथ और प्यून कालान्द्री यदु की प्रताड़ना का एक वीडियो सामने आया है। जिस पर प्यून एक अशक्त महिला से महारानी स्टडीयल में अपने पैरों को दबवाती नजर आ रही है. साथ ही इस पर प्यून नारी निकेतन में शरण स्थली बनाई अंतावासिनी मजबूर महिलाओं को डरा धमका रही है. और अपने पैर को दबवा रही है. जो कि साप्ताी पर मजबूरी का फयदा उठाते नज़र आ रही है.

नारी निकेतन दंतेवाड़ा में इस समय 12 निराश्रित महिलाओं ने बसेरा जमाया है. मगर नारी निकेतन की प्रभारी अधीक्षिका कल्पना रथ है. जो लगातार नारी निकेतन में रुकी महिलाओं से अपने घर के बर्तन, झाड़ू पोछा और नौकरों जैसा काम करवाती है. स्वयं प्रताड़ितो ने इस बात की जानकारी मीडिया को दी है।

■ जानकारी के लिए यह भी बता दे



कि वर्तमान अधीक्षिका कल्पना रथ की कार्यशैली को लेकर बोते वर्ष बचेली परियोोजना में स्व सहायता समूह की महिलाओं ने जबरन पैसे वसूली का आरोप लगा चुकी है. जिसके बाद ही उन्हें नारी निकेतन दंतेवाड़ा में प्रभारी अधीक्षिका बनाया गया है.

■ दरअसल नारी निकेतन दंतेवाड़ा में कांकेर की एक बेसहारा महिला ने वीडियो घर के बर्तन, झाड़ू पोछा और नौकरों जैसा काम करवाती है. स्वयं प्रताड़ितो ने इस बात की जानकारी मीडिया को दी है. हमारे साथ मारपीट करती है. पैर से मारती है, गला दबा देती है, उल्टा टांगकर

मारुंगी बोलती है. ऐसे में सरकार का नारी निकेतन खोलकर बेसहारा और समाज मे पीड़ित लोगों को सहारा देने का सारा वादा झूठ नजर आता है।

नारी निकेतन का उद्देश्य

नारी निकेतन उद्देश्य उन अनाथ, अविवाहित, विधवा, प्रताड़ित व बेसहारा महिलाओं जिनके पास घर नहीं है और उन्हें एक छत कि आवश्यकता है उन सभी लड़कियां या महिलाएं जिनकी उम्र 16 वर्ष से अधिक है उनको सामाजिक व शैक्षणिक संरक्षण प्रदान करना। साथ ही

वह युवतियां जो शादी करने की इच्छुक हैं, उनके विवाह की व्यवस्था करता है. इन सबमे से एक भी जिम्मेदारी दंतेवाड़ा का नारी निकेतन निभाते नजर नहीं आ रहा है।

■ नारी निकेतन उद्देश्य उन अनाथ, अधीक्षिका द्वारा काम करवाने की शिकायत देतेवाड़ा कलेक्टर से पहले भी हुई है. जांच चल रही है।

वरुण नागेश जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस दंतेवाड़ा

बोमार होने से उसकी मौत हो गई है।
 इंदौर के एमवाय अस्पताल में एक महिला की मौत हुई है। एक महिला का इंदौर के बाँबे अस्पताल में इलाज चल रहा है। गांव के कुछ लोगों ने उल्टी दस्त की शिकायत के बाद विभिन्न अस्पतालों में इलाज करवाया है। ग्रामीणों का कहना है कि कुएं का पानी पीने के बाद तबीयत खराब हुई है। संबंधित कुएं के सैंपल लेकर उसे ढंकवा दिया गया है। गांव के लक्ष्मण को ठीक करवा दिया गया है। स्वास्थ्य प्रभु ने उल्टी दस्त के शिका 12 लोग मिले हैं। वहीं, चार का बाहर इलाज चल रहा है। अभी यह क्लियर नहीं है कि उनकी मौत दूषित पानी पीने से हुई है। पानी के सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

का केस कर कोर्ट से जेल भेजा जा चुका है। दंपती की शादी 11 साल पहले हुई थी। दोनों की दो बेटियाँ हैं।

कॉन्स्टेबल के घर आने-जाने से था नाराज

बेटू मूल रूप से दुआरा का रहने वाला है और मनवगं में क्रिएए का कम्पा लेंकर रहता है। आरोपी नशे का आदी है। कामकाज नहीं करता। रुचि मनवगं थाने और दूसरी जगहों पर टिफिन पहुँचाकर घर चलाती थी। टिफिन के ही सिलिसले में घर पर एक कॉन्स्टेबल का आना-जाना था। पति इसी बात से विद्वता था। उसे पसंद नहीं था कि पत्नी किसी से भी बात करे।

संपादकीय



ये कैसी अभिव्यक्ति की आजादी

भारतीय संविधान में लोगों को अभिव्यक्ति की आजादी मुहैया कराई है लेकिन देखा जा रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर अभीलता परोसने से भी बॉलीवुड संकोच नहीं कर रहा है। बॉलीवुड की फिल्में पहले ही हिंसा और अभीलता परोसती रही है लेकिन अब हिन्दी फिल्मों के नायक और नायिकाएं अभिव्यक्ति के आजादी के नाम पर नंगा नाच करने लगे है। फिल्मी हिरोईनों के कपड़े लगातार घटते जा रहे है। वहीं अब एक चर्चित अभिनेता रणवीर सिंह ने तो न्यूड फोटो शेसन कराकर बेशरमी की सारी हदें ही पार कर दी है। यह वहीं रणवीर सिंह है जो अजीबोगरीब कपड़े पहनने के कारण चर्चा में बने रहते थे और अब उन्होंने सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए न्यूड फोटो शेसन करा डाला और ऐसी तमाम वाहियात तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। इसे लेकर अब बवाल खड़ा हो गया है। जहां लोग रणवीर सिंह की इस घटिया हरकत की कड़ी आलोचना कर रहे है वहीं उनकी पत्नी दिपिका पादुकोण और फिल्म अभिनेत्री आलिया भट्ट सहित कई फिल्म कलाकारों ने उनकी ऐसी वाहियात फोटो की जमकर तारीफ की है। बहरहाल अब कुछ संगठनों ने रणवीर सिंह के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और उनके विरुद्ध थानों में एकआईआर दर्ज कराई गई है। यदि उसपर पुलिस कार्यवाही करती है और मामला कोर्ट में पहुंचता है तो रणवीर सिंह को पांच साल तक की सजा हो सकती है। देखना होगा कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर नंगाई करने वाले इस अभिनेता के खिलाफ कानून क्या कार्यवाही करता है। रही बात ऐसे कलाकार को सबक सिखाने की तो यह काम फिल्मों के दर्शक ही बेहतर ढंग से कर सकते है। रणवीर सिंह जैसे कलाकारों की फिल्मों का बाँयकाट किया जाए तभी ऐसे लोगों का दिमाग ठिकाने लगेगा। बॉलीवुड में हाल के कुछ वर्षों में जिस तरह से हिंसा और अभीलता को बढ़ावा दिया है उसका दुष्प्रभाव समाज पर पड़ने लगा है। यही वजह है कि अब ऐसे फिल्मकारों का विरोध होने लगा है और उनकी फिल्मों के बहिष्कार के लिए सोशल मीडिया पर अभियान चलने लगा है जिसके चलते ऐसे कई नामीगिरामी कलाकारों की फिल्में चलाप भी होने लगी है। रणवीर के खिलाफ भी सोशल मीडिया पर उनकी फिल्मों के बाँयकाट का अभियान चल पड़ा है जो सही कदम है। वास्तव में ऐसे लोगों का बहिष्कार किया जाना चाहिए जो अपनी ओछी हरकतों से समाज में गंदगी फैलाने का काम कर रहे है।

कविता

मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में

आजादी के 75 वें साल में मैकाले की गुलामगिरी वाली शिक्षा पद्धति बदलने की शुरुआत अब मध्यप्रदेश से हो रही है। इसका श्रेय मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग को है। मैंने पिछले साठ साल में म.प्र. से प्रेरणा ग्रहण करें और समस्त विषयों कि मेडिकल और कानून की पढ़ाई वे हिंदी में शुरू करवाई लेकिन मप्र की वर्तमान सरकार भारत की ऐसी पहली सरकार है, भारत की शिक्षा के इतिहास में जिसका नाम स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। भारत के प्रधानमंत्री, शिक्षा मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री म.प्र. से प्रेरणा ग्रहण करें और समस्त विषयों की उच्चतम पढ़ाई का माध्यम भारतीय भाषाओं को करवा दें तो भारत को अगले एक दशक में ही विश्व की महाशक्ति बनने से कोई ताकत रोक नहीं सकती है। विश्व की जितनी भी महाशक्तियाँ हैं, उनमें उच्चतम अध्ययन और अध्यापन स्वभाषा में होता है। डाक्टरी की पढ़ाई मप्र में हिंदी माध्यम से होने के कई फायदे हैं। पहला तो यही कि पेलत होनेवालों की संख्या एकदम घटेगी। दूसरा, छात्रों की दक्षता बढ़ेगी। 70-80 प्रतिशत छात्र हिंदी माध्यम से पढ़कर ही मेडिकल कॉलेजों में भर्ती होते हैं। इन्हें चिकित्सा-पद्धति को समझने में आसानी होगी। तीसरा, मरीजों की टाण्ड कम होगी। चिकित्सा जादू-टोना नहीं बनी रहेगी। चौथा, मरीजों और डाक्टरों की बीच संवाद आसान हो जाएगा। पांचवा, सबसे ज्यादा फायदा उन गरीबों, पिछड़ों, अनुसूचितों के बच्चों को होगा, जो अंग्रेजी के चलते डॉक्टर नहीं बन पाते। मप्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास नारंग ने मेडिकल शिक्षा की किताबें हिंदी में तैयार करवाने के लिए जो कमेटी बनाई है, उससे मेरा सतत संपर्क बना रहता है। कुछ पुस्तकें मूल रूप से हिंदी में तैयार हो गई हैं और कुछ के अनुवाद भी हो गए हैं। सितंबर के आखिर में शुरू होनेवाले नए सत्र से छात्रों को हिंदी माध्यम की छूट मिल जाएगी। हिंदी की पुस्तकों में अंग्रेजी मूल तकनीकी शब्दों से परहेज नहीं किया जाएगा। जो छात्र अंग्रेजी माध्यम से पढ़ना चाहेंगे, उन्हें छूट रहेगी। मप्र के चार हजार मेडिकल छात्रों में से अब लगभग सभी स्वभाषा के माध्यम से पढ़ना चाहेंगे। यदि ऐसा होगा तो हिंदी में कई नए-नए मौलिक ग्रंथ भी हर साल प्रकाशित होते रहेंगे। यदि इस मेडिकल की पढ़ाई को और भी अधिक उपयोगी बनाना हो तो मेरा सुझाव यह भी है कि एक ऐसी नई चिकित्सा-उपाधि तैयार की जाए, जिसमें एलोपैथी, आयुर्वेद, हकीमी, होमियोपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा के पाठ्यक्रम मिले-जुले हों ताकि मरीजों का यदि एक दवा से इलाज न हो तो दूसरी दवा से होने लगे। यदि हमारी चिकित्सा में ऐसा कोई क्रांतिकारी परिवर्तन मध्यप्रदेश की सरकार करवा सके तो अन्य प्रदेशों की सरकारें और केंद्र सरकार भी पीछे नहीं रहेगी। यह विश्व को भारत की अनुपम देन होगी। यह चिकित्सा पद्धति इतनी सुलभ और सस्ती होगी कि भारत और पड़ोसी देशों के गरीब से गरीब लोग इसका लाभ उठा सकेंगे। एक बार फिर दुनिया भर के छात्र डाक्टरी की पढ़ाई के लिए भारत आने लगेगे, जैसे कि वे सदियों पहले विदेशों से आया करते थे।

पाठकों की बात

बस एक हित पर

बस एक हित पर चोट लगे तो भारत में तत्काल ही विचार बदल जाता है अधिकांश लोगों में एक सीनियर सिटीजन को रेल यात्रा के दौरान मिलने वाली छूट से बौखलाहट देखा कुछ सीनियर लोगो मे ,जो दिन रात हर हर् हर घर् कर रहे थे नम्बर सबका लगना है तब तक बर्बादी के कगार पर सभी पहुँच ही जायेंगे।

– संत आर श्रवाईट

हंसी बाटने वाले

हंसी बाटने वाले दोस्त नहीं मिले आइबनरो से दूर रहा ,जो बचपन के साथी थे और जिसके साथ उठना - बैठना था वे सभी अब पास नहीं है ।कुछ खास पल में मिल भी जाते है पर उनका मन साथ नहीं होता स्कूल समय के भी दोस्त अब मुम हो गए शायद यही सच है जीवन की इस बीते पलों की जो खामोशियों में गए रिस्ते बनकर उभरे। – लक्ष्मी नारायण लहरे

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

खास पत्नी



सखी री पावस की ऋतु आई रिमझिम रिमझिम बरसे बरसा सोधी बयार उड़ाई सखी री पावस की ऋतु आई दादुर मोर पपीहा बोले कोयल राग सुनाई सखी री पावस की ऋतु आई हिलमिल सखियां डाला झुला रेशम डोर मंगाई सखी री पावस की ऋतु आई प्रियतम के संग नाचे गोरी कजरी सावन गाई सखी री पावस की ऋतु आई दूर कहीं विरहन है तरसीफूरी आर रलाई सखी री पावस की ऋतु आई वापस प्रियतम सबके लौटें कान्हा अरज लगाई सखी री पावस की ऋतु आई आंगन होय किलोल सभी के महके तुलसी माई सखी री पावस की ऋतु आई।- डॉ दीपा गुप्ता

सांसें हैं तो जीवन भी जीवन है

सांसें हैं तो जीवन भी जीवन है तो आशा भी आशा संग निराशा भी धूप छँव विन्यासा भी मस्तक खिंची लकीरों हैं रहती जिन्मे तकदीरों हैं सुख भी है जिसमे पीरें हैं उलझन के जंग जखीरे हैं यदि हद है तो स्पंदन है सरस् प्रेम कटु क्रंदन है मुक कहीं कुछ बंधन है मिश्रित सा आलिंगन है नींदों जाग्रत कुछ सपने हैं कुछ बेगाने कुछ अपने हैं पग पग जीवन संग चलने हैं दिन उगे साँझ संग ढलने हैं अस्थिर जग की हर माया है ढल जानी हर इक काया है लगे अपना वही पराया है फिर भी जग यह भरमाया है। – प्रियंवदा अवस्थी

मुकर गई लबों की हँसी

मुकर गई लबों की हँसी, जो गवाही खुशियों की मांगी मैंने हेरत में थी इक अरसे से मुझे हँसना नही देखा थम थम के थिरक रही थी जमीं, मदहोश थी इस कदर, इक अरसे यूं मुझे नाचता नही देखा । पूछा जो हाल बीमार दिल से तो खेरियत ही बताया , बनके कयामत दर्द रिसता नही देखा। –किरन भण्डारी



राजेश माहेश्वरी

द्रौपदी मुर्मू बेहद सामान्य परिवार से आती है। उनका देश के शीर्ष पद पर पहुंचना एक मिसाल है। उनका जन्म ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक आदिवासी परिवार में हुआ था। अपने गृह जनपद से आर्थिक शिक्षा पूरी करने के बाद मुर्मू ने भुवनेश्वर से सातक की डिग्री ली। उसके बाद उन्होंने एक शिक्षक के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की। द्रौपदी मुर्मू का विवाह श्यामाचरण मुर्मू से हुआ. इस दंपति की तीन संतानें हुईं- दो बेटे और एक बेटी। उनके दोनों बेटों और पति का असमय निधन हो गया। इन सदमों से गुजरना द्रौपदी मुर्मू के लिए बेहद मुश्किल दौर था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आदिवासी समाज के लिए कुछ करने के लिए राजनीति में कदम रखा। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत ओडिशा के रायगंज नगर पंचायत के पार्षद चुनाव पर जीत से की। फिर वे रायगंज से विधायक बनीं और ओडिशा में भाजपा व बीजू जनता दल की गठबंधन की सरकार में मंत्री भी रहीं। झारखंड में राज्यपाल के रूप में उनके साठ पाँच साल के कार्यकाल को भी याद किया जाता है।

द्रौपदी मुर्मू ने भारत के 15वें राष्ट्रपति पद की शपथ ले ली है। द्रौपदी मुर्मू के देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होना सच्चे अर्थों में लोकतंत्र की जीत है। लोकतंत्र की यही असली ताकत है कि जहां एक छोटे से छोटा व्यक्ति भी सर्वोच्च पद पर आसीन होने के स्वपन देख सकता है। और आसीन होे भी जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पारिवारिक पृष्ठभूमि किसी से छिपी नहीं है। पिता चाय की दुकान चलाते थे तो मां दूसरों के घरों में छोटे-मोटे काम करती थीं। देश में ऐसे अनेक व्यक्ति आपको मिल जाएंगे जिन्होंने अपनी मेहनत और समर्पण की बदौलत उच्च पद प्राप्त किये हैं।

लोकतंत्र की वास्तविक परिकल्पना भी यही है। यहां लोक ही राजा होता है। विकास के अंतिम पायदान पर खड़ा व्यक्ति भी बड़े से बड़ा सपना देख सकता है, और संघर्ष और परिश्रम से उसे पूरा भी कर सकता है। श्रीमती मुर्मू आदिवासी समाज से संबंध रखती हैं। आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहली ब्राह्मण महिला है जब आदिवासी समाज का कोई व्यक्ति देश के सर्वोच्च पद पर विराजित हुआ है। द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना भारतीय लोकतंत्र को और मजबूती प्रदान करता है। यह भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती ही है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक आदिवासी समुदाय की महिला आसीन हुई है।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि द्रौपदी मुर्मू के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन होने से आजादी के अमृत महोत्सव की सार्थकता और महत्ता में वृद्धि हो गयी है। हमारे संविधान की सबसे बड़ी विशेषता ये है कि उसे हम भारत के लोग जैसी विराट स्वीकृति प्राप्त हुई। अन्यथा अनेक लोकतान्त्रिक देशों में संविधान भी जनता पर जबरिया लाद दिया जाता है। 75 साल पूर्व हमारे ही साथ आजाद हुए पाकिस्तान में सत्ता पलट के बाद संविधान के मूल स्वरूप को पूरी तरह नष्ट-भ्रष्ट कर दिया गया जबकि हमारे देश में विभिन्न विचारधाराओं की सरकारें बनने के बावजूद संविधान की आत्मा अक्षुण्ण बनी हुई है।

ऐसा नहीं है कि सत्ता में आये सभी लोगों ने आम जनता को चरम संतुष्टि दी हो। समस्याओं का सैलाब भी आता-जाता रहा। पराजय और विजय दोनों देश ने देखी और खाद्यान्न संकट भी भोगा। आर्थिक संकट का वह दौर भी आया जब देश का स्वर्ण भंडार

गिरवी रखने की नौबत तक आ गई। लोकतान्त्रिक ढांचे को नष्ट करने का पाप भी 1975 में लगाये गए आपातकाल के रूप में देखने मिला।

जिस अमेरिकी लोकतंत्र का इतिहास 200 साल से ज्यादा पुराना हो, वहां हिलेरी क्लिंटन राष्ट्रपति पद के लिए पहली महिला

होना इस बात का भी शुभ संकेत है कि देश की राजनीति जाति की संकीर्ण सोच से ऊपर उठकर अब समाज के उस वर्ग की प्रतिष्ठित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है जिसे आश्वासनों के झुनझुने पकड़कर बहलाया तो बहुत गया लेकिन अधिकारों में हिस्सेदारी देते समय ईसाफ नहीं किया गया। इसका लाभ



उम्मीदवार बनी थीं, पर जीत नहीं पायी थीं। उनसे पहले तक अमेरिका के किसी दल ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के योग्य किसी महिला को नहीं माना था। मुर्मू की जीत भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का भी परिचायक है। हाल ही में पड़ोसी श्रीलंका में दिखाई दिया बैसा भारत में नहीं हुआ तो उसका सबसे बड़ा कारण लोकतान्त्रिक संस्कार ही हैं जो हमारी उस सनातन परम्परा का प्रतीक हैं जिसमें भगवान स्वरूप राजा पर एक साधारण नागरिक भी उंगली उठा सकता था। बीते सात दशकों में पाकिस्तान, अफ़ानिस्तान, नेपाल, म्यांमार (बर्मा), श्रीलंका और बांग्ला देश में राजसत्ता बदलने के लिए हिंसात्मक विद्रोह और गृहयुद्ध जैसी परिस्थितियां देखने मिलीं। लेकिन भारत में सत्ता जब भी बदली तो जनता ने क्योंकि हमारी शास्त्र परम्परा में जनता को राजा कहा गया है। उस दृष्टि से श्रीमती मुर्मू का देश का प्रथम नागरिक बनना उन पश्चिमी देशों के लिए एक सन्देश है जो खुद को प्रगतिशील और आधुनिक मानते हुए हमें देय दृष्टि से देखते हैं।

श्रीमती मुर्मू का राष्ट्रपति पद पर आसीन

की। द्रौपदी मुर्मू का विवाह श्यामाचरण मुर्मू से हुआ. इस दंपति की तीन संतानें हुईं- दो बेटे और एक बेटी। उनके दोनों बेटों और पति का असमय निधन हो गया। इन सदमों से गुजरना द्रौपदी मुर्मू के लिए बेहद मुश्किल दौर था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आदिवासी समाज के लिए कुछ करने के लिए राजनीति में कदम रखा। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत ओडिशा के रायगंज नगर पंचायत के पार्षद चुनाव में जीत से की। फिर वे रायगंज से विधायक बनीं और ओडिशा में भाजपा व बीजू जनता दल की गठबंधन की सरकार में मंत्री भी रहीं। झारखंड में राज्यपाल के रूप में उनके साठ पांच साल के कार्यकाल को भी याद किया जाता है।

एक टीचर, क्लर्क, मंत्री, राज्यपाल पद की जिम्मेदारी के बाद राष्ट्रपति पद पर उनकी भूमिका से बड़ी उम्मीदें देश के वंचित समाज को हैं। खासकर उनके संथाल समाज में इस जीत को लेकर बड़ा उल्लास है, जिन्होंने अपनी जीत से पहले ही दिये जलकार अपनी आकांक्षाएं जाहिर कर दी थीं। शांत-शालीन व्यवहार वाली द्रौपदी मुर्मू का व्यक्तिगत जीवन तमाम दुखांत से गुजरा है। पति व दो बेटों को खोने के बाद भी वह टूटी नहीं बल्कि और मजबूती से समाज में बदलाव के लिये सक्रिय रहीं। गरीबों, आदिवासियों व वंचित समाज को न्याय दिलाने के लिये पहल करती हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि श्रीमती मुर्मू के राष्ट्र के सर्वोच्च पद को संभालने के बाद देश की दलित, वंचित महिलाओं व आदिवासी समाज के जीवन में वास्तव में बड़ा बदलाव आएगा। उम्मीद है कि जीवटता की धनी व संघर्षों से तपकर निकलीं मुर्मू अपने पद पर रहते हुए बदलाव की वाहक बनेंगी। निस्संदेह, द्रौपदी मुर्मू का जीवन संघर्ष की मिसाल ही रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि श्रीमती मुर्मू का यह उजाला देश के बेहद पिछड़े व दूरदराज के एक विश्वास जागा है कि बिना किसी हिंसा और संघर्ष के उन्हें मुख्याधार में सर्वोच्च पद और सम्मान प्राप्त हो सकता है।

द्रौपदी मुर्मू बेहद सामान्य परिवार से आती हैं। उनका देश के शीर्ष पद पर पहुंचना एक मिसाल है। उनका जन्म ओडिशा के मयूरभंज जिले में एक आदिवासी परिवार में हुआ था। अपने गृह जनपद से आरंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद मुर्मू ने भुवनेश्वर से स्नातक की डिग्री ली। उसके बाद उन्होंने एक शिक्षक के तौर पर अपने करियर की शुरुआत

दलित, आदिवासी तथा ओबीसी वर्ग के लोग देश में उच्च वर्ग के पदों को हासिल कर चुके हैं। अगर नहीं तो इसमें मात्र और मात्र राजनीतिक लाभ की गुंजाइश ही कहीं दिख जाएगी। यदि दलित और आदिवासी को राष्ट्रपति बनाया गया है, तो क्या वह वोट बैंक को साधने के लिए बनाया गया है ? अगर ऐसा नहीं है तो कम से कम दलित और आदिवासी वर्ग के लोगों के आरक्षण पर पुनर्विचार करना बहुत आवश्यक है। साथ ही अन्य पिछड़े वर्ग के लिए जो आरक्षण बनाया गया है उस पर भी विचार करना जरूरी है। यह सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों का सामूहिक कर्तव्य है कि वह अब इस देश को आरक्षण से मुक्त घोषित करने के लिए जो भी मुमकिन प्रयास हो, वह करें। अन्यथा इस देश की जनता यह समझेगी कि आप दलितों को, आदिवासियों को, महिलाओं को, ओबीसी को आगे लाने के लिए मात्र वोट बैंक का सहारा ले रहे हैं और यह आगे भी लेते रहने का आपका इरादा पक्का होता जा रहा है। और शेष सर्वर्ण वर्ग जो बचता है, सामान्य वर्ग, वह हमेशा की तरह मूख बनता रहेगा और उसे कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है।

QUIZ TIME

- वह शासक कौन था, जिसे चिकित्सा, विज्ञान, खगोल विज्ञान तथा वास्तुशास्त्र आदि विविध विषयों पर 20 से अधिक पुस्तकों का रचनाकार माना गया है?
- युद्ध अथवा शास पर आक्रमण होने की स्थिति में कौन अंतिम रूप से आक्रमणकारी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर सकता है?
- केन्द्रीय भवन निर्माण अनुसंधान संस्थान कहाँ स्थित है?
- केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित गए मॉडल स्कूलों का नाम क्या है?
- भारतीय साइकिलिस्ट का नाम बताइए जिसने एशियाई ट्रैक पैरिपयनशिप में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा है?

झरु ह्सागल्ट (५) ल्छेक लू लूहगलान (७) लूह्छ (६) लुग्लान (८) लूह लूहान (१) -लललललल



आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1713 - रूस और तुर्की ने शांति संधि पर हस्ताक्षर किये। 1789 - पहली फेडरल एजेंसी द डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेन अफेयर्स की स्थापना हुई। 1836 - दक्षिण आस्ट्रेलिया में एडोलेड की स्थापना। 1862 - अमेरिकी शहर कैटन में हरिकेन तूफान से 40 हजार लोगों की मौत। 1888 - फिलिप प्राट ने पहला इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल का प्रदर्शन किया।1889 - इंडियन नेशनल कांग्रेस की शाखा ब्रिटिश इंडिया कमिटी को लंदन में दादाभाई नौरोजी, विलियम वेडरबर्न, डब्ल्यू एस कैन और विलियम डिब्बी के नेतृत्व में खोला गया। 1897 - बाल गंगाधर तिलक पहली बार गिरफ्तार किये गये। 1913- आज़ादी के लिए संघर्ष करने वाली महिला क्रांतिकारियों में से एक कल्पना दत्त का जन्म। 1922 - ब्रुसेल्स में

अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक संघ का गठन। 1935 - चीन की यांग जी और होआंग नदी में आई बाढ़, दो लाख लोगों की मौत। 1940- भारतीय मूल की प्रसिद्ध लेखिका भारती मुखर्जी का जन्म। 1982 - प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की लगभग 11 साल में पहली अमेरिकी यात्रा। 1992 - प्रसिद्ध अभिनेता अमजद खान का निधन। 1994 - निशानेबाज जसपाल राणा ने विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 1996 - ओलंपिक खेल अमरीका के जॉर्जिया राज्य के अटलांटा शहर में आयोजित किए गए। 1987 - खेलकूतोंओं ने टाइटेनिक का मल्बा खोजा। 2003 - अमेरिका ने यमन को स्कड मिसाइल बेचने वाली उत्तर कोरियाई कंपनी पर नये प्रतिबंध लगाये।

क्या अब देश से आरक्षण समाप्त नहीं हो जाना चाहिए ?

... और देश की सेवा करते रहे । हम यह भी यहां देख का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं । यह बातें इसलिए जनता कह रही

रहे हैं की वर्तमान में देश के प्रधानमंत्री की पिछड़े वर्ग अर्थात ओबीसी की श्रेणी से आते हैं । संविधान में जिक्र है के देश के पिछड़े से पिछड़े दलित से दलित और आदिवासी को न्याय मिलना बहुत आवश्यक है । आज हम देख रहे हैं कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति एक दलित समाज का प्रतिनिधित्व करते रहे, वर्तमान राष्ट्रपति आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, और देश के सर्वशक्तिमान प्रधानमंत्री ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं । अब देश में ऐसा कौन सा वर्ग बचता है, जो दलित, आदिवासी और पिछड़ा है। जिसका प्रतिनिधित्व करने के लिए

देश को इंतजार करने की आवश्यकता है। सारा परिदृश्य देश के सामने आज नजर आ रहा है । यह एक भारी प्रश्नव्रता का विषय है कि देश के पूर्व राष्ट्रपति दलितों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, वर्तमान राष्ट्रपति आदिवासी और महिलाओं का प्रतिनिधित्व कर रही हैं, तथा देश के प्रधानमंत्री ओबीसी वर्ग



है, अब देश पूर्ण रूप से ऐसे वर्गों को ऊपर लाने में सफल हो चुका है, जो सदियों से पिछड़े, दबे कुचले आदि सब कुछ थे। अतः अब क्या यह आवश्यक नहीं है या जरूरी नहीं है कि देश में जो एक संवैधानिक व्यवस्था आरक्षण की चल रही है, उसे समाप्त कर दिया जाए ? क्योंकि आरक्षण प्राप्त

दलित, आदिवासी तथा ओबीसी वर्ग के लोग देश में उच्च वर्ग के पदों को हासिल कर चुके हैं। अगर नहीं तो इसमें मात्र और मात्र राजनीतिक लाभ की गुंजाइश ही कहीं दिख जाएगी। यदि दलित और आदिवासी को राष्ट्रपति बनाया गया है, तो क्या वह वोट बैंक को साधने के लिए बनाया गया है ? अगर ऐसा नहीं है तो कम से कम दलित और आदिवासी वर्ग के लोगों के आरक्षण पर पुनर्विचार करना बहुत आवश्यक है। साथ ही अन्य पिछड़े वर्ग के लिए जो आरक्षण बनाया गया है उस पर भी विचार करना जरूरी है। यह सत्ताधारी दल और विपक्ष दोनों का सामूहिक कर्तव्य है कि वह अब इस देश को आरक्षण से मुक्त घोषित करने के लिए जो भी मुमकिन प्रयास हो, वह करें। अन्यथा इस देश की जनता यह समझेगी कि आप दलितों को, आदिवासियों को, महिलाओं को, ओबीसी को आगे लाने के लिए मात्र वोट बैंक का सहारा ले रहे हैं और यह आगे भी लेते रहने का आपका इरादा पक्का होता जा रहा है। और शेष सर्वर्ण वर्ग जो बचता है, सामान्य वर्ग, वह हमेशा की तरह मूख बनता रहेगा और उसे कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है।

तेरे बगैर मेरा घर उदास

तेरे बगैर मेरा घर उदास रहता है मेरा सुकुन बराबर उदास रहता है हर इक मकाम पे किस्मत भी आजमाती है कहीं भी जाऊँ मुझर उदास रहता है ये फहफ्हाये तेरे आने की खबर सुनकर कि और दिन तो कलन्डर उदास रहता है कहीं सिंगार में खुद को संवार लूँ किन्तुा जो तू न देखे तो जेवर उदास रहता है सताया याद ने तेरी सो दिल ये रोया है कहीं ये सोच समझकर उदास रहता है। – आरती कुमारि

मेरा एकांत मेरे कमरे में छपे

मेरा एकांत मेरे कमरे में छपे सन्नाटे का हिसाब जब लगाता हैं तब एक इतिहास अपने पत्रे खोलकर मेरे समक्ष आ जाता है पर मेरी ज़िद होती हैं वर्तमान के लोहे सम कवच से मैं ढ़क दूँ उसके पत्रे और घास पर बैठी ओस की बूँदें भर लाऊँ अपनी अँजुये में , और सींच दूँ फिर से एक और नींव भविष्य की तभी उस कमरे के सन्नाटे को चीर जाती हैं दीवार पर लगी घड़ी संकेत देती हैं प्रहर के गुजर जाने का।- **सरिता सैल**

जिस प्रकार के चित्र आ रहे हैं

जिस प्रकार के चित्र आ रहे हैं मित्र देखिये। अब प्रकृति से खिलवाड़ बनी बिचित्र देखिये। मौसम की मनमानी मन्तूर नहीं। परन्तु आदमी बदलता रहे चरित्र देखिये।

– राज कुमार शर्मा

तुम तो आंखों से इक पल ना

तुम तो आंखों से इक पल ना ओझल होते थे, फिर क्यूं आज यूं लापता हो गए देखते देखते। झुट कहते थे रोज इक हूँ मैं इस भर जहान में, आंखें रामदेव सी हुई है शायद संकेत संकेत। – संजय सिंह राजपूत

काजू की खेती का मामला उठा विधानसभा में, विभाग ने बताया जीवित हैं पौधे!

2 खबर प्रकाशित होने के बाद सफाई कर पुनः लगाये गए कई पौधें

2 मामला मनैरंगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चिरईपानी पौधारोपण का

बैकुंठपुर /नवप्रदेश। जिले में काजू की खेती को बढ़ावा देने कार्ययोजना तैयार कर मनरेगा से राशि की स्वीकृति की गई व सुरुवात में इसकी सफलता को लेकर खूब वाहवाही लुट्टी गई किन्तु राशि खर्च होने के बाद अधिकारी इसे देखने तक नहीं गए जिसका ही परिणाम है कि अब साीखने में ही लाखों रुपये खर्च हो

गए व विभाग टूट तक नहीं बचा पाया । यह कारनामा जिले के उद्यानिकी विभाग का है। अब अधिकारी पूर्व का कार्य होना बताकर जांच की बात कह रहे हैं। इस खबर को नवप्रदेश में प्रमुखता से उठाया गया जहां विधायक श्रीमति रेणु जोगी ने इस मामले को विधानसभा में प्रमुखता से उठाया।

जहां जवाब में कोरिया जिले के अधिकारियों ने सभी पौधों को जीवित बताया जब कि जमीनी हकीकत कुछ और ही है। हाल ही में खबर प्रकाशित होने के बाद उद्यानिकी विभाग ने चिन्हित स्थान पर सफाई कर कुछ स्थानों पर पुनः पौधे लगाये व जो बचे थे वही पर सफाई का कार्य किया गया। वहीं अधिकारी वी त्रिपाठी से भेजे गए सवाल के जवाब के संबंध में



पटल में खर्च राशि कुछ और ही हैं जिससे अधिकारी के जवाब को लेकर सवाल उठना लाजिमी हैं । जब कि उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग की देखरेख में 6.21 लाख रुपए खर्च कर यह कार्य कराया गया था। वही लगाए गये काजू के पौधे पूर्व में सूख गए थे । वहीं जब प्रभारी अधिकारी वी त्रिपाठी से भेजे गए सवाल के जवाब के संबंध में

क्या था मामला

मिली जानकारी के अनुसार कोरिया जिले के मनैरंगढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत चिरईपानी में 2.859 हेक्टेयर शासकीय भूमि काजू के खेती के

लिये उपलब्ध कराया गया था। जिसमें 13 जुलाई 2020 को मनरेगा मद से 6.21 लाख रुपए की स्वीकृति लेकर बड़ी संख्या में काजू के पौधे लगाए गए थे। चिह्नित जमीन की चारों ओर से फेंसिंग भी कराया गया था लेकिन पौधे लगाने के बाद समुचित सिंचाई करना भूल गए और पानी के अभाव में काजू के पौधे सूख गए हैं। क्योंकि काजू बगान के

क्या था विधानसभा में प्रश्न

विधायक डॉ. रेणु अजीत जोगी ने कृषि मंत्री से यह बताने की कृपा कि उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग द्वारा मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत चिरईपानी में वर्ष 2020 में काजू की खेती के लिए कितने एकड़ में कितने पौधे लगाए गए थे। यह प्रोजेक्ट कितने वर्ष का है और इसमें कितनी राशि किस मद से व्यय की गयी है। पौधों की वर्तमान क्या स्थिति है। प्रोजेक्ट में काजू का उत्पादन कब तक प्रारम्भ होगा। जिसके जवाब में कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने बताया कि उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी विभाग द्वारा विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पंचायत चिरईपानी में वर्ष 2020 में काजू की खेती के लिए 7.14 एकड़ में 800 पौधे लगाए गए थे। यह प्रोजेक्ट 3 वर्ष का है, मनेरंगा से शासकीय भूमि पर काजू पौध रोपण हेतु राशि रु. 3,55,115 का व्यय किया गया है। वर्तमान में सभी पौधे जीवित है एवं काजू पौध में फलन (फुटिंग) 3 -4 वर्ष में प्रारंभ हो जाता है, व्यवसायिक उत्पादन पौध रोपण के 8 से 10 वर्ष पश्चात् प्रारंभ होता है।

की खेती करना था, लेकिन उदासीन रवैयों के कारण दो साल में ही प्रोजेक्ट फर्पोंप हो गया है। फिलहाल प्रोजेक्ट का कब मिलेगा इसका जवाब सही क्रियावयन करने सिर्फ एक

साल बचा है। जिसमें उद्यानिकी विभाग दोबारा काजू के नए पौधे लगवा सकता है। किन्तु लाभ कब मिलेगा इसका जवाब विभाग के पास भी नहीं है ।

न्यूज गैलरी

3 करोड़ 96 लाख के विभिन्न निर्माण कार्यों की मिली स्वीकृति



कर स्वीकृति प्रदान की गई है ।

नवनियुक्त डीएमसी मिरे पहुंचे चवांड के स्कूल



कांकेर/नवप्रदेश । शिशुपाल शोरी ससदीय सचिव छ.ग. शासन एवं विधायक कांकेर के द्वारा विधानसभा क्षेत्र विकास निधि (विधायक निधि) सत्र 2022-23 के लिए आबटित राशि विधानसभा क्षेत्र प्रवास के दौरान एवं क्षेत्रवासियों के मांगों के अनुरूप एवं जनसम्पर्क में प्राप्त आवेदन पत्रों पर किये गये घोषणा को अनुश्रुतित

पान टेले एवं होटलों में जाकर किया जा रहा टिकाकरण

कांकेर/नवप्रदेश। ग्राम कोदाभाट में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा पान टेले व होटलों सहित घर-घर जाकर कोविड-19 का टिका का कुल 68 प्रिकासन और दुसरा डोज ग्रामीणों को लगाकर कोविड-19 महामारी से बचाव का संदेश दिया गया। इस अवसर पर सरपंच ईश्वरी नेताम, स्वास्थ्य विभाग के एच.आर.ओ. लता मण्डवी, सचिव महेश कुमार वट्टी, आंगन बाड़ी कार्यकर्ता सुधा शर्मा, गांव की सक्रिय महिला कार्यकर्ता अमेरिका शोरी, कौशिल्या पटेल, दुर्गा शर्मा, सहोदरा भास्कर आदि शामिल थें।



कलेक्टर के निर्देश पर सरोना तहसीलदार निपटा रहे राजस्व प्रकरण

कांकेर/नवप्रदेश। नवीन तहसील कार्यालय सरोना के तहसीलदार नीरज कुमार द्वारा कलेक्टर के निर्देश पर घर घर जाकर शासन की विभिन्न योजनाओं को पहुंचाया जा रहा है जिसमें हितग्राहियों को घर पहुंच सेवा के तहत निवास प्रमाण पत्र जाति प्रमाण पत्र आय प्रमाण पत्र आदि उनके घर तक पहुंचाया जा रहा है. इसी क्रम में सोमवार को टुमन पिता कल्याण सिंह का छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल में लाइनमैन के लिए चुना गया था। निवास प्रमाण पत्र दस्तावेज के कमी के कारण समय पर नहीं बनने से उन्हें नौकरी में दिक्कत आ रही थी। हितग्राही कार्यालय में उपस्थित हुआ जिसका त्वरित संज्ञान में लेते हुए तहसीलदार नीरज कुमार द्वारा तुरंत प्रकरण का निराकरण करते हुए निवास प्रमाण पत्र जारी कर प्रदान किया। हितग्राही द्वारा तहसीलदार सरोना एवं जिला प्रशासन की इस योजना को लेकर बहुत खुशी जताई और उनके इस नेक काम के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया है।

कारगिल विजय दिवस पर शामिल होने निकले युवा मोर्चा के प्रतिनिधि

कांकेर/नवप्रदेश। ह्याभारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय आह्वान पर 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस के अवसर पर युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या के नेतृत्व में कश्मीर श्रीनगर के लाल चौक से तिरंगा यात्रा 200 कि.मी. की लंबी यात्रा कर कारगिल पर इस दिन शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी, पूरे देश भर के प्रतिनिधि अपने-अपने प्रदेश से शहीद परिवार के घर से पुण्य मिट्ठी ले जाकर वहीं उन शहीदों को भी श्रद्धांजलि दी जायेगी।

धनोरा स्कूल के छात्र-छात्राओं को पढ़ाया गया यातायात नियमों का पाठ

बीजापुर/नवप्रदेश । पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में उप पुलिस अधीक्षक यातायात विनीत साहू के नेतृत्व में एवं यातायात प्रभारी के ग्रेट हाल बीजापुर में यातायात जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसके परिप्रेक्ष्य में यातायात जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें उप पुलिस अधीक्षक यातायात विनीत साहू के द्वारा बताया गया कि जानकारी के अभाव में दुर्घटनाओं घटित होती है इन दुर्घटनाओं से बचाव हेतु चोराहा पर करने का नियम, ट्रेफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलाना, वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना, प्रेशर हार्न का



उपयोग ना करना वाहन चलाते समय मोबाईल फोन का उपयोग नहीं करना, जेब्रा क्रॉसिंग, गुड सेमेरिटन, लायसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण व दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क पर वाहन चलाने की सही तरीका, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि के साथ यातायात के अनिवार्य, चेतावनी व सूचनात्मक संकेतों का ज्ञान होना चाहिये ।जिससे देश का कोई भी नागरिक, चाहे वह किसी भी उम्र

मुठभेड़, 5 लाख का ईनामी नक्सली बुधराम मारा गया

2 हथियार, टिफिन बम भी मौके से हुआ बरामद

2 शहीदी सप्ताह को लेकर पुलिस चौकसी



जवानो मार गिराया है। साथ ही जवानो ने नक्सली का शव बरामद कर लिया है. इधर घटना की पुष्टि दंतैवाडा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने करते हुये बताया की मुठभेड़ में मारा गया। नक्सली बुधराम मरकाम कटेकल्यान एरिया कमेटी में

चन्द्रशेखर यादव कृत शहीदों पर लिखी गई पुस्तक ‘क्रांतिकलश’ का विमोचन

बिल्हा/नवाप्रदेश। स्थान शासकीय विश्राम गृह बिल्हा में अमृत महोत्सव के पारव पर्व पर डॉ. चन्द्रशेखर यादव कृत शहीदों पर लिखी गई पुस्तक ‘क्रांतिकलश’ का विमोचन एवं सम्मान हुआ। इस अवसर पर मुख्य अग्यगत प्रो. ए. डी. एन. बागोटी जी (कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर), भाषाविद डॉ. विनय कुमार पाठक जी एवं सम्मान ग्राहण पूर्व न्यायमूर्ति चन्द्रभूषण बाजोपेयी जी तथा विशिष्ट अतिथि विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बिल्हा श्री रघुवीर सिंह राठौर एवं सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री अखिलेश तिवारी की कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर कोरोना कर्मवीर राष्ट्रीय सृजन अभियान के द्वारा प्राप्त सम्मानित व्यक्तिगों डॉ. जगदीश कुलदीप, डॉ. चन्द्रशेखर यादव, श्री दिलीप कुमार बंगारे (शिक्षक) एवं डॉ. प्रदीप निर्गोपक को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बिल्हा के गणमान्य नागरिक एवं साहित्यकार सादर उपस्थित थे।साहित्यकार श्री - दिलबाग राज, श्री केदार दुबे, श्री रमेश गोयल, श्री अजय शर्मा गणमान्य नागरिक्षिक - सर्वश्री राजकुमार (एडवोकेट), प्रमोद यादव, हृदय यादव, रोशनी खलखो इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुये। कार्यक्रम बहुत ही अच्छा रहा।कार्यक्रम का संचालन डॉ. उग्रसेन एवं आभार यशवत कुशवाह द्वारा किया गया।

15 वें राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल सांसद मंडावी

कांकेर/नवाप्रदेश। कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद मोहन मंडावी दिल्ली सत्र एवं राष्ट्रपति निर्वाचन के दौरान भारत गणराज्य की 15 वीं राष्ट्रपति व देश की प्रथम आदिवासी महिला मलमहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के निर्वाचित होने पर दिल्ली में बधाई दिए।बधाई पश्चात संसद के केन्द्रीय कक्ष में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मु देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित हुए। सांसद मंडावी ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति पद के प्रस्तावक भी रहे। सांसद मंडावी ने कहा कि सांसद केन्द्रीय कक्ष में आयोजित समारोह में भारत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण ने मलमहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी को देश के 15 वें राष्ट्रपति के रूप में पद एवं गोपनीयता की



शपथ दिलाई।पूरे देश ने गर्व से श्रीमती मुर्मु को राष्ट्रपति पद की शपथ लेते हुए देखा। देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को संभालना भारत के लिए ऐतिहासिक क्षण है यह लोकतंत्र की मजबूतता है खासकर गरीबों वित्तों और कमजोर वर्गों के लिए।इस निर्वाचन में देश के गरीब का आशीर्वाद शामिल हवाहो।देश की करोड़ों जनताओं के सपनों और समर्थ्य की झलक है।

कृषकों एवं समूह की महिलाओं के आमदनी बढ़ाने दिया मार्गदर्शन

2 एजुकेशन सिटी में दिव्यांग बच्चों की गतिविधियों को देख खुशी जाहिर की

बीजापुर/नवप्रदेश। भारतीय खाद्य निगम के चेयरमैन एवं प्रबंध संचालक तथा आकांक्षी जिला बीजापुर के केन्द्रीय प्रभारी सुबोध कुमार सिंह ने आदर्श गोठान इंटरपाल का निरीक्षण किया जहां कुक्कुट पालन, कड़कनाथ, बटेर, मत्स्य पालन, बकरी पालन, वर्मी खाद उत्पादन, गोबर खरीदी, साग- सब्जी उत्पादन का अवलोकन कर समूह की महिलाओं से आवश्यक चर्चा कर आमदनी के बारे में जानकारी ली जिसमें समूह की

सदस्यों ने बताया लेयर बर्ड से अंडा उत्पादन कर आंगनबाड़ी में दिया जाता है। आमदनी के स्रोत बढ़ने के साथ-साथ कुपोषण से मुक्ति के लिए अण्डा फायदेमंद है। वर्मी खाद के विक्रय हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया। वहीं सब्जी बाड़ी से टमाटर, बैंगन का उत्पादन कर विक्रय करने की बात बताई।

सुबोध कुमार सिंह ने एजुकेशन सिटी की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसा परिसर तो बड़े शहरों में भी नहीं दिखता, दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र समर्थ में दिव्यांग बच्चों के साथ कुछ पल बिताए उनकी शिक्षा, गतिविधियां, खान-पान एवं रहने की व्यवस्था का



निरीक्षण किया और निरीक्षण टिप लिखकर दिव्यांग पुर्नवास केन्द्र समर्थ की प्रशंसा की। जनपद पंचायत परिसर बीजापुर में महिला समूहों द्वारा खाद्य प्रसंस्करण की गतिविधियों का अवलोकन किया जहां विभिन्न मशालों सहित महुआ

लड्डू, तिरकु शोक, अमचूर, ईमली सॉस इत्यादि का परीक्षण किया और समूह की महिलाओं को मेहनत और लगन से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उत्पादों के पैकेट में उत्पाद के संबंध में आवश्यक जानकारी, मात्रा एवं

उसके फायदे अंकित करने को कहा ताकि लोग आसानी से समझ सकें और विक्रय में बढ़ोतरी हो। समूह की महिलाओं ने बताया प्रसंस्करण पश्चात उत्पादों को सी-मार्ट के माध्यम से विक्रय किया जाता है। जिसका अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। वहीं सुबोध कुमार सिंह ने सी-मार्ट का अवलोकन कर देशी उत्पादों की जानकारी ली। जिसमें विभिन्न प्रकार के प्रोटीन युक्त लोकल चावल, रागी, चिकी, रागी कुकीज पापड़, अमचूर सहित विभिन्न उत्पादों की जानकारी ली एवं दैनिक विक्रय को बढ़ाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस दौरान सिंह ने जिला पंचायत

कार्यालय में स्थित जलशक्ति केन्द्र कार्यालय का अवलोकन कर जलशक्ति अभियान पोर्टल, अमृत सरोवर पोर्टल के बारे में जानकारी ली। पोर्टल कैसे काम करता है। जियो टैगिंग कैसे की जाती है। फ़ैल्ड विजिट, स्वीकृत तालाब, चैकडेम, सिंचित क्षेत्र, सिंचित क्षेत्र को बढ़ाने की कार्य योजना, हितग्राहियों को आवश्यक तकनीकी सहयोग सहित आवश्यक जानकारी ली एवं दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर राजेंद्र कटारा, सीईओ जिला पंचायत रवि साहू, महाप्रबंधक एफ़सीआई रायपुर सहित विभागीय अधिकारीगण मौजूद थे।



आप सभी को आपके काम के बदौलत विदेश घूमने मिला : मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सिंगापुर में आयोजित ईएसजी ग्रिट पुरस्कार समारोह में सम्मानित महिलाओं ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में सिंगापुर में ईएसजी ग्रिट पुरस्कार समारोह में सम्मानित स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने राज्य लघु वनोपज संघ सहित वनधन केन्द्रों के समूहों को उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई और

शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर वन मंत्री मोहम्मद अकबर, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबन्ध संचालक संजय शुक्ला भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री के पूछे जाने पर माँ धारिणी करिन स्व-सहायता समूह बकावंड वन धन केन्द्र की सदस्य श्रीमती पद्मिनी बघेल ने बताया कि उन्होंने पुरस्कार समारोह में अपने बकावण्ड काजू की पूरी प्रोसेसिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी । उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि अब उनके समूह ने अपनी छोटी सी दुनिया से एक बड़ी दुनिया की ओर अपना पहला कदम बढ़ाया है। हरिबोल स्व-सहायता समूह डोंगानाला, वनधन केन्द्र की



सदस्य श्रीमती सरोज पटेल ने बताया कि उन्होंने समारोह में उनके समूह के द्वारा वनोपधियों के संग्रहण से उनके प्रसंस्करण और विक्रय तक की पूरी प्रक्रिया बताई। महिलाओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि सिंगापुर बहुत सुंदर है। वहाँ उन्होंने चिड़ियाघर, पार्क, समुद्र, हॉलीवुड के साथ ही शहर की हरियाली देखी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने उन्हें

बधाई देते हुए कहा कि आप सभी को आपके काम के बदौलत विदेश जाने का मौका मिला। जंगल से निकलकर सिंगापुर की सैर करने का मौका मिला। पहले अधिकारी नेताओं को विदेश घूमने ले जाते थे अब वे आप लोगों को ले जा रहे हैं, ऐसा पहली बार हुआ है।

गौरतलब है कि सिंगापुर में 22 और

23 जुलाई को आयोजित ईएसजी ग्रिट पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ सहित जगदलपुर और कोरबा के दो महिला स्व-सहायता समूह पुरस्कृत हुए। प्रदेश को लघु वनोपज प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है, जिसके तहत छत्तीसगढ़ को संधारणीय विकास, गरीबी उन्मूलन और महिला सर्शािकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के उपरांत संभवतः यह पहला अवसर है, जब महिला स्व-सहायता समूह के सदस्य एक अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने के लिए विदेश यात्रा पर रहे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के

वन धन विकास केन्द्रों में लघु वनोपज के प्रसंस्करण कार्य में लगी महिला सदस्यों के समर्पित कार्य प्रणाली का परिणाम है कि इस अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए उनकी पहचान हुई। समारोह में माँ धारिणी करिन स्व-सहायता समूह बकावंड वन धन केन्द्र की सदस्य सुश्री पद्मिनी बघेल तथा सुश्री बेलाबाई कश्यप तथा हरिबोल स्व-सहायता समूह डोंगानाला, वनधन केन्द्र की सदस्य सुश्री सरोज पटेल तथा सुश्री पूनबाई नेती सम्मानित हुई।

खुशी से भरपूर छत्तीसगढ़ के इन वनवासी प्रतिनिधियों ने 150 देशों के 200 से अधिक प्रतिनिधियों के समक्ष यह पुरस्कार ग्रहण करते हुए, छत्तीसगढ़ मॉडल तथा सतत् विकास की कहानी

कही। इन्होंने इस समारोह में पूरी दुनिया के व्यवसायी, बैंकर्स, इनवेस्टर्स, पर्यावरणविद तथा शासकीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ‘छत्तीसगढ़-हर्बल’ की पूरी दुनिया में पहचान सुनिश्चित किया। इससे लघु वनोपज आधारित उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। ‘छत्तीसगढ़ मॉडल’ को पूरे विश्व में सतत् विकास के मॉडल के रूप में पहचान मिलेगी।

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के इस दल का नेतृत्व राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक संजय शुक्ला द्वारा किया गया तथा अपर प्रबंध संचालक बी. आनंद बाबू एवं वनमंडल अधिकारी सुश्री स्‍यलतो मण्‍डवी सहयोग हेतु दल में सम्‍मिलित थीं।

उज्जवल भारत, उज्जवल भविष्य थीम पर बिजली महोत्सव का आगाज

30 जुलाई तक हर जिले में होंगे आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य ऊर्जा 2047 - बिजली महोत्सव कार्यक्रम का आजा प्रदेश के तीन जिलों से हुआ। प्रदेशभर के हर जिलों में 30 जुलाई तक बिजली महोत्सव का आयोजन होगा, जिसमें बिजली से आम लोगों के जीवन में आए बदलाव को रेखांकित किया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर पर उज्ज्वल भारत उज्ज्वल भविष्य ऊर्जा 2047 कार्यक्रम घोषित किया गया है। जिसके तहत हर जिले में दो स्थानों पर बिजली महोत्सव होंगे। इसके तहत आज



धमतरी के कुरुद, गरियाबंद के मैनपुर एवं बलरामपुर में बिजली महोत्सव का शुभारंभ किया गया। छत्तीसगढ़ शासन की बिजली बिल हाफ योजना, मोर बिजली एप, मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना, मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया गया।

ओपन स्कूल 10वीं व 12वीं की मुख्य परीक्षा 1 सितंबर से

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल रायपुर द्वारा आयोजित मुख्य / अवसर परीक्षा सितम्बर 2022 की समय-सारिणी का निर्धारण किया गया है । जिसमें हायर सेकण्डरी की परीक्षा 01 सितंबर से प्रारंभ होकर दिनांक 21 सितंबर तक एवं हाईस्कूल की परीक्षा 01 सितंबर से प्रारंभ होकर 16 सितंबर तक आयोजित होगी। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल के अधिकारियों ने बताया कि छात्र/ छात्राएं अपनी परीक्षा से संबंधित समय-सारिणी समीपस्थ अध्ययन केन्द्र में सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है एवं कार्यालय की वेवसाइट- www.sos.cg.nic.in पर भी समय-सारिणी उपलब्ध है। जिसे छात्र डाउनलोड कर सकते है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राज्यपाल उड़के ने सौजन्य भेंट कर दी शुभकामनाएं

■ प्रदेश के विभिन्न विषयों और समस्याओं को लेकर की राष्ट्रपति से चर्चा

रायपुर/नवप्रदेश। देश की नव निर्वाचित 15वीं राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण उपांगत राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उडके ने उनसे राष्ट्रपति भवन में मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। राज्यपाल सुश्री उडके ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू से देश व प्रदेश के विभिन्न विषयों को लेकर विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल ने प्रदेश से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों और समस्याओं से राष्ट्रपति को अवगत कराया। राज्यपाल ने पेसा कानून में आरक्षण संबंधी नियम विधिवत् लागू हो पाएंगे, जिससे जनजातीय समुदाय को आरक्षण का वास्तविक लाभ मिल पाएगा। ‘राज्यपाल सुश्री उडके ने पूर्वांचल के कई जिलों को जनजातीय जिला घोषित किये जाने की जानकारी राष्ट्रपति को देते हुए कहा कि केन्द्र स्तर पर विशेष



में लंबित है, उसे शीघ्र पारित कराने का आग्रह किया। मेसा कानून के बनने से नगरीय क्षेत्रों में आरक्षण संबंधी नियम विधिवत् लागू हो पाएंगे, जिससे जनजातीय समुदाय को आरक्षण का वास्तविक लाभ मिल पाएगा। राज्यपाल सुश्री उडके ने पूर्वांचल के कई जिलों को जनजातीय जिला घोषित किये जाने की जानकारी राष्ट्रपति को देते हुए कहा कि केन्द्र स्तर पर विशेष

अनुरोध किया। राज्यपाल ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को पुनः धन्यवाद देते हुए कहा कि आपके राष्ट्रपति बनने से जनजातीय समुदाय में एक उम्मीद जगी है कि अब उनके अधिकारों और हितों से जुड़े प्रयासों को गति मिलेगी। राज्यपाल ने संवैधानिक अधिकारों के क्रियान्वयन संबंधी विषयों को भी प्रमुखता के साथ राष्ट्रपति के समक्ष रखा।

सहयोग इस आशय से

मिला था, जिससे इन जिलों में निवारसत्त जनजातीय समुदाय के लोग सीधे लाभान्वित हुए। राज्यपाल सुश्री उडके ने छत्तीसगढ़ में मात्रात्सक नृटि के कारण कई जनजातीय समुदायों को उनके अधिकार न मिलने के बारे में राष्ट्रपति को जानकारी दी और इसके शीघ्र समाधान के लिए आग्रह किया। राज्यपाल ने संवैधानिक अधिकारों के क्रियान्वयन संबंधी विषयों को भी प्रमुखता के साथ राष्ट्रपति के समक्ष रखा।

अब चौबीसों घंटे लहराएं तिरंगा

रायपुर। भारतीय लोकतंत्र के सर्वोच्च प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने का अधिकार जन-जन को दिलाने वाले नवीन जिनदल ने भारतीय ध्वज संहिता (फ्लैग कोड ऑफ इंडिया) में संशोधन का स्वागत करते हुए देशवासियों का आह्वान किया है कि वे अब अपने घर और प्रतिष्ठान पर 24 घंटे तिरंगा फहराएं। नए संशोधन के अनुसार तिरंगा अब दिन-रात झंडा फहराया जा सकता है। आजादी के अमृत महोत्सव पर सरकार की ओर से भारतीयों के लिए यह बड़ा उपहार है।

द्वीपेटर के माध्यम से अपने संदेश में श्री जिनदल ने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण और राष्ट्रहित में दूरगामी फैसला है। अब और अधिक लोग साल के 365 दिन तिरंगा फहराने और तिरंगा के माध्यम से अपनी देशभक्ति का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होंगे। देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जो अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है और हर घर तिरंगा पहुंचाने का संकल्प लिया गया है, उसे पूरा करने में यह फैसला मौल का पत्थर साबित होगा। यहां जारी एक प्रेस विस्रिप्ति में श्री नवीन जिनदल की अध्यक्षता वाले फ्लैग फाउंडेशन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2004 के अपने फैसले में देश के नागरिकों को साल के 365 दिन ससम्मान तिरंगा फहराने का जो अधिकार प्रदान किया था, उसकी आत्सा में हर घर तिरंगा पहुंचाने की बात थी। नवीन जिनदल का सदैव सपना रहा है कि हर घर तिरंगा लहराए। फ्लैग फाउंडेशन उन सपनों को साकार करने के लिए सदैव समर्पित रहा है।

■ मोबाइल मेडिकल यूनिट से अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे मरीजों को घर के पास मिल रही इलाज सुविधा

रायपुर/नवप्रदेश। गरीब और किसी कारणवश अस्पताल तक नहीं पहुंच पा रहे लोगों को मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के जरिए निःशुल्क इलाज किया जा रहा है। मोबाइल मेडिकल यूनिट के चिकित्सा दल बस्तियों में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध करवा रहे हैं। जनवरी 2022 से जून 2022 तक की बात करें तो भाव्या हेल्थ सर्विस मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा 5.44 लाख से अधिक लोगों को इसका लाभ मिला है।

शहरी स्लम क्षेत्रों के ऐसे गरीब जो अस्पताल नहीं पहुंच पाते हैं उनको उनके घर पर ही चिकित्सकों के जरिए स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए यह योजना शुरू की गई है। प्रदेश के विभिन्न शहरों में मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन के जरिए जरूरतमंदों का इलाज किया जा रहा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए मोबाइल मेडिकल यूनिट भाव्या हेल्थ सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के जन संपर्क अधिकारी शिबू कुमार ने बताया छत्तीसगढ़



सरकार के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत दो भिन्न कर्पनियां लोगों को सेवाएं दे रही हैं। भाव्या हेल्थ सर्विस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 23 जिलों में 74 मोबाइल मेडिकल यूनिट लोगों की सेवा में तत्पर हैं। योजना के तहत जनवरी 2022 से जून 2022 तक मोबाइल मेडिकल टीम द्वारा 5.44 लाख लोगों को निःशुल्क इलाज मुहैया कराया गया है। इसके साथ ही 4.32 लाख लोगों को निःशुल्क दवाएं दी गईं । वहीं 1.13 लाख लोगों की पैथालॉजी जांच तथा 2,018 लोगों को बेहतर इलाज के लिए अस्पतालों में रेफर किया गया है।

घर के पास हुई जांच मिली दवा. जांजगीर चांपा की रहने वाली 20 वर्षीय शबनम परवीन ने बतायारू मुझे कई दिनों से पेट में हल्का दर्द और बुखार की शिकायत थी किसी ना किसी

कारण से मैं अस्पताल नहीं जा पा रही थी। ऐसे में मोबाइल मेडिकल यूनिट जब घर के करीब आई तो मैंने भी वहां अपनी समस्या बताई। चिकित्सक दल ने मेरी परेशानी सुनी और मेरे खून और रेशाब का सैंपल उन्होंने दिया। जांच रिपोर्ट दूसरे मिलीए जिसमें मुझे यूरिन इन्फेक्शन निकला और दवाएं भी दी गईं। उपचार के उपरांत अब मैं स्वस्थ हूं। कांकेर के रहवासी 41 वर्षीय ओमप्रकाश दारो को भी काफी दिनों से हाह बीपी उच्च रक्तचाप की शिकायत थी। ओमप्रकाश ने बताया केसकाल में मैं शिक्षक के रूप में पस्थ हूं। समयाभाव की वजह से अस्पताल नहीं जा सका प्राइवेट डॉक्टर की सलाह पर बीपी की दवा ले रहा हूं। स्कूल के समीप ही मोबाइल मेडिकल यूनिट आई तो मैंने भी चिकित्सकीय परामर्श लिया। बहुत अच्छी सुविधा है मुझे भी चिकित्सकों से परामर्श लेकर अच्छा लगा। मैं अब उनके द्वारा बताए गए सुझावों पर अमल कर रहा हूं।

योजना की शुरूआत. शिबू कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना के प्रथम चरण की शुरूआत एक नवंबर 2020 को हुई। शुरूआत में कंपनी ने 35 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से सेवाएं दी।

शुरू हुई। नकली शराब पीने की वजह से अस्पताल में भर्ती हिम्मतभाई नाम के एक शख्स ने कहा कि कई लोग बीमार हुए हैं। **राज्य में पूरी तरह है शराब बंदी** : गौरतलब है कि गुजरात में शराब पर पूरी तरह बैन लागू है। यहां बॉम्बे प्रॉहिबिशन एक्ट, 1949 के तहत पुलिस शराब खरीदने, पीने और इसे रखने वालों पर कार्रवाई कर सकती है। दोषी पाए गए लोगों को तीन महीने से लेकर पांच साल तक की जेल की सजा की भी प्रावधान है।

शिवसेना लहराती तलवार है, प्यान

तो इसमें जंग लग जाती है। इसलिए यह लहरानी ही चाहिए। **मेरी गलती थी कि भरोसा किया** : उद्धव ठाकरे ने कहा, मेरी गलती थी कि पार्टी के कुछ नेताओं पर बहुत अधिक भरोसा किया। इतने लंबे समय तक उन पर भरोसा करना मेरी गलती थी। उन्होंने कहा, सरकार चली गई, मुख्यमंत्री पद गया, इसका अफसोस नहीं है। मेरे ही लोग दगाबाज निकले, यह ज्यादा चोट पहुंचाने वाला है। मेरे ऑपरेशन के बाद अस्वरथता के दौरान सरकार गिराने का प्रयास हो रहा था।

प्रथम पेज का शेष

मानव दुर्व्यापार रोकने चलाएँ प्रभावी

दुर्व्यापार निषेध जन-जागरूकता अभियान का स्वरूप जन प्रतिनिधियों की भूमिका के निर्धारण के साथ तय किया जाए। मानव दुर्व्यापार निषेध के जन-जागरूकता अभियान की सार्थकता तभी होगी जब इससे आमजन को भी जो7ा जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बच्चों और बेटियों के पक्ष में विभिन्न कानूनी प्रावधान किए गए हैं। इसके बावजूद देखा जाता है कि बेटियों के विरूद्ध छे?छे? से लेकर अपहरण की घटनाएँ घटित होती हैं। इसके अलावा छोटे बच्चों को नशे की लत लगाना, उनसे भिक्षावृत्ति करवाना या श्रमिकों को बंधक बनाकर उनका शारीरिक, आर्थिक शोषण न सिर्फ भारत बल्कि विश्व के लिए भी चिंता का विषय बने हुए हैं।

पंचायत चुनावों में सेंध मारी

दर्ज कर ली है। यहां से कांग्रेस ने 6 सीट जीती है। भाजपा को डर है कि यदि दो बागी कांग्रेस में शामिल हो जाते है तो समीकरण बिगड़ जाएगा। यही वजह है कि

सभी सदस्यों को भोपाल लाया गया। यहां मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से उनकी मुलाकात कराई गई। पहले कहा जा रहा था कि इन सदस्यों को नेपाल ले जाने की तैयारी थी। हाटपिपत्त्या नगर परिसद में अध्यक्ष पद को लेकर घमासान है। यहां पर बीजेपी के पास पूर्ण बहुमत है। बावजूद इसके पार्टी को त्रास वोटिंग व सेंधमारी का डर सता रहा है। ऐसे में निर्वाचित पार्षद सदस्यों व प्रतिनिधियों को शहर से बाहर किसी दूसरी जगह भेजे जाने की बात सामने आ रही है। यहां के जीते हुए प्रतिनिधियों की बस में एक साथ बैठे हुए फोटो भी वायरल हो रही है। जिससे यह तो साफ हो गया है कि निर्वाचित सदस्य शहर से बाहर किसी दूसरे स्थान पर भेजे गए हैं। यहां से भाजपा के विनोद जोशी, महेंद्र यादव दीपाली कुजुराम जाट अध्यक्ष बनने का दावा कर रहे हैं।

कुछ अज्ञातवास पर तो कुछ पर्यटक स्थल पर जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर कब्जे के लिए भाजपा कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। विदिशा जिला पंचायत के सदस्यों में कांग्रेस की सेंधमारी के डर से भाजपा ने अपने 10 सदस्यों को अज्ञातवास पर भेज दिया है। जिला पंचायत की अध्यक्ष की कुर्सी पर 17 साल से काबिज भाजपा इस बार फिर दमखम से वापसी

की तैयारी में है। संगठन ने इसके लिए प्लानिंग कर ली है।

बैरसिया में भाजपा की जीत तय
बैरसिया जनपद पंचायत में 25 सदस्य हैं। यहां भाजपा 18 सदस्यों का समर्थन होने का दावा कर रही है। बताया जा रहा है कि 13 सदस्यों को तो चुनाव तक जिले के बाहर ही भेज दिया गया है। वहीं पांच सदस्य क्षेत्र में ही हैं। जिले से बाहर जाने वालों में दो कांग्रेस समर्थित सदस्य भी बताए जा रहे हैं। इधर, कांग्रेस भी 12 सदस्य होने का दावा कर रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि चुनाव में भाजपा सभी हथकंडे अपना रही है। यही कारण है कि उन्होंने सदस्यों को खुला छोड़ रखा है। चुनाव के दिने स्थिति साफ हो जाएगी। जनपद पंचायत फंदा में अध्यक्ष पद को लेकर दोनों ही दल भाजपा और कांग्रेस में कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है। कि भाजपा ने 8 सदस्यों को तो कांग्रेस ने 6 सदस्यों को जिले से बाहर भेजा हुआ है। यह सदस्य चुनाव के दौरान ही सामने आएंगे।

कांग्रेस ने किया विरोध

को लगभग साढ़े तीन घंटे पूछ-ताछ की थी। ईडी ने

टकरार मार दी। जिससे युवक बुरी तरह घायल हो गया। उससे घायल अवस्था में बोरानो वाहन ने कुवल दिग्विधायी युवक की घटना स्थल पर रुकती हुई। प्रास जानकारों के अनुसार पुष्पेंद्र खुरशुवी पिता रामकुश्वर खुरशुवी उम्र 26 साल निवासी ग्राम हथोडा तिलवानी आडसीआडसीआड बड़े में फील्ड आफिसर के पद पर कार्यरत थे। सोमवार की रात्रि में लगभग 10.30 बजे बैक कार्य कर अपने घर हथोडा बाइक से जा रहा था। राजमार्ग 44 पद के पास उदयपुरा की ओर से आ रहे अज्ञात डम्पर ने टकरार मार दी। जिससे युवक बुरी तरह घायल हो गया। घायल अवस्था में बोरानो वाहन ने कुवल दिग्विधायी युवक की घटना स्थल पर मीत हो गई। जिसका मंगलवार की सुबह सिविल हॉस्पिटल तिलवानी में एंजियम के तहत अपने ग्राम हथोडा में अंतिम संस्कार किया गया। मृतक दो भाई थे पुष्पेंद्र खुरशुवी छोटा था। बड़ा भाई भोपाल में पढ़ाई करता है। पिता किसानों कार्य करते हैं। पुष्पेंद्र खुरशुवी की माता जी फिल्ले सेसाल कोराना काल में मर चुके हो गई थीं।